सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 03, अंक 78, नई दिल्ली, बुधवार 28 मई 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर मेहनत को आदत बना लिया जाए तो कामयाबी मुकद्दर बन जाती है।

03 अनियोजित शहरीकरण से जलमग्न होते शहर !

06 गर्मियों की छुट्टियों का मतलब हर किसी के लिए अलग है

08 फेसबुक या फूहड़बुक?: डिजिटल अश्लीलता का बढ़ता आतंक और समाज की गिरती संवेदनशीलता

सर्व धर्म मित्र मण्डल रघुबीर नगर द्वारा आयोजित किया गया सम्मान समारोह

पिंकी कुंडू

नई दिल्ली। सर्व धर्म मित्र मंडल रजि.दिल्ली प्रदेश द्वारा आयोजित किए गए सम्मान समारोह मै सांसद श्रीमती कमलजीत सेहरावत, मादीपुर विधानसभा विधायक कैलाश गंगवाल, पंजाबी बाग वार्ड निगम पार्षद सुमन आनंद त्यागी, बंगाली प्रकोष्ट सह संयोजक दिल्ली प्रदेश एवम् उज्वला योजना दिल्ली प्रदेश टीम श्रीमती पिंकी कुंडू और पंजाबी बाग मंडल अध्यक्ष कमल तंवर का शहीद भगत सिंह कालोनी शिवाजी एनक्लेव में माला और शॉल पहनाकर सम्मान किया गया।

कार्यकर्म मे सर्व धर्म मित्र मंडल के प्रधान के के छाबड़ा, प्रीतपाल सिंह, बी डी गुप्ता, मनोहर सिंह, वेदप्रकाश वर्मा, बी के छाबड़ा, रवैल सिंह, सचिन वर्मा, कंचन, बेबी, सुषमा एवं अन्य सभी संस्था के सदस्यों के साथ उस क्षेत्र के कार्यकर्ताओं द्वारा क्षेत्र मै आ रही परेशानियों पर रोशनी डाली और उनके निवारण के प्रति सवाल उठाए। परेशानियों में सबसे मुख्य परेशानी हो सभी क्षेत्र वासियों ने एकजुट होकर उठाई वह थी नालों के पानी का गलियों में भरा रहना और उसके जल्द से जल्द निवारण की मांग की जिसका सांसद श्रीमती कमलजीत सेहरावत, विधायक कैलाश गंगवाल एवं निगम पार्षद श्रीमति सुमन त्यागी ने एक स्वर मै करवाने का वादा किया।

जयपुर-दिल्ली हाईवे पर बस-ट्रेलर की टक्कर में 3 की मौत, 27 घायल, एनएच- 48 पर लगा लंबा जाम

कोटपूतली-बहरोड़ में जयपुर-दिल्ली नेशनल हाईवे-48 पर एक भीषण सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई और 27 घायल हो गए। हरियाणा रोडवेज की एक तेज रफ्तार बस आंतेला पुलिया के पास खड़े ट्रेलर से टकरा गई, जिससे बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

परिवहन विशेष न्यूज

कोटपूतली-बहरोड़: जयपुर-दिल्ली नेशनल हाईवे-48 मंगलवार दोपहर का समय उस वक्त मातम में बदल गया, जब हरियाणा रोडवेज की एक तेज रफ्तार बस ने खड़े ट्रेलर में जबरदस्त टक्कर मार दी। राजस्थान के नवगठित जिले कोटपूतली-बहरोड़ क्षेत्र में आंतेला पुलिया के पास हुए इस दर्दनाक हादसे में 2 महिलाओं समेत 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 27 यात्री घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का ड्राइवर साइड पूरी तरह चकनाचूर हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। हादसे के कारण नेशनल हाइवे पर लंबा जाम लग गया था। जिसे हटाने के लिए क्रन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को किनारे किया गया। इसके बाद यातायात को सुचारू रूप से चालू किया गया।

टक्कर के बाद चीख-पुकार मच गई, यात्री फंसे रहे मलबे में

मीडिया रिपोर्टर्स के मुताबिक, घटना दोपहर करीब 1:30 बजे हुई। हरियाणा रोडवेज की बस जयपुर से दिल्ली जा रही थी। कोटपूतली के आंतेला पुलिया के पास खड़े ट्रेलर से टकराने के बाद बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कई यात्री बस में फंस गए, जिन्हें गैस कटर से काटकर बाहर निकाला गया। चारों ओर अफरा-तफरी का माहौल था, घायल कराह रहे थे, और हाईवे चीखों से गूंज उठा।

मौके पर पहुंची पुलिस-एम्बुलेंस, इनकी हुई मौत

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। 20 घायलों को पावटा उपजिला अस्पताल ले जाया गया, जहां तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों की पहचान शकीरा (बुलंदशहर), रजिया खातून (बेगूसराय) और सुनील जैन के रूप में हुई है। 2 घायलों को निम्स हॉस्पिटल रेफर किया गया है, जबकि 15 को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। अन्य घायलों का इलाज आंतेला सीएचसी, शाहपुरा उपजिला अस्पताल और निजी संस्थानों में जारी है।

क्रेन से हटाए गए वाहन, हाईवे पर घंटों लगा रहा जाम

हादसे के बाद नेशनल हाईवे-48 पर लंबा जाम लग गया। प्रशासन ने क्रेन की मदद से बस और ट्रेलर को हटाकर ट्रैफिक चालू करवाया। लेकिन इस दौरान घंटों तक यात्री और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

हादसे ने उजाड़ा पूरा परिवार

हादसे में बस में सवार एक यात्री ने अपनी पत्नी को खो दिया जबकि उसके बेटा-बेटी और मां घायल हो गए। घायल मोहम्मद सुलेमान, जो जयपुर से धारूहेड़ा जा रहे थे, ने बताया, 'बस बहुत तेज रफ्तार में थी। ट्रेलर से बस की भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि मेरी पत्नी रजिया खातून की मौके पर ही मौत हो गई। मेरी मां, बेटा और बेटी घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए जयपुर भेजा गया है'।

देवी योजना के तहत दिल्ली को जून तक 401 नयी इलेक्ट्रिक बस मिलेंगी

परिवहन विशेष न्यूज

नयी दिल्ली। दिल्ली को अंतिम छोर कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन पहल (देवी) के तहत मध्य जून से पहले 401 नयी नौ मीटर वाली इलेक्ट्रिक बस मिलेंगी।

परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि शहर की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को मजबूत करने और स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के लिए 401 नयी इलेक्ट्रिक बस शामिल की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि आने वाले महीनों में यह संख्या बढ़ती रहेगी। उन्होंने कहा, ''दिल्ली के लोगों की सहायता करने और स्वच्छ पर्यावरण में योगदान देते हुए शहर के परिवहन को बेहतर बनाने के लिए, हम वादे के अनुसार इलेक्ट्रिक बस की संख्या बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

सिंह ने कहा कि नयी नौ मीटर वाली इलेक्ट्रिक बस 10 से 15 जून के बीच शुरू की जाएंगी।

इस महीने की शुरुआत में सरकार ने देवी योजना के तहत बसों की शुरुआत की और 2 मई को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस पहल के तहत 400 नयी इलेक्ट्रिक बस का उद्घाटन किया।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन बेड़े में वर्तमान में कुल 1,895 इलेक्ट्रिक बस हैं।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मैन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

दुनिया के सबसे बड़े रोड नेटवर्क वाले पांच देश...

सड़क नेटवर्क किसी भी देश के विकास की बुनियाद होता है। आइए जानते हैं कि दुनिया के किन देशों में सबसे बड़ा रोड नेटवर्क है और इस लिस्ट में भारत की क्या रैंकिंग है।

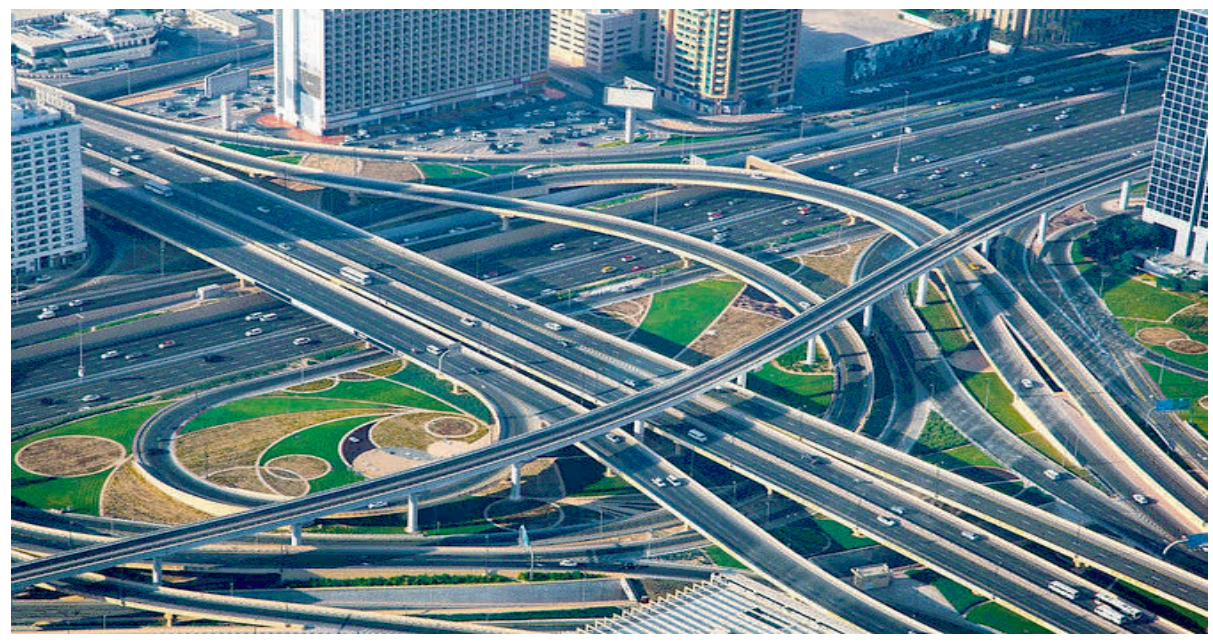

नई दिल्ली। सड़क नेटवर्क किसी भी देश के विकास की बुनियाद होता है। ये ना सिर्फ लोगों के आने-जाने के लिए जरूरी है, बल्कि सामान की ढुलाई और लॉजिस्टिक सेक्टर को मजबूती देने में भी इसकी बड़ी भूमिका होती है। भारत के केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी भी कई बार अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी के उस बयान का जिक्र कर चुके हैं जिसमें उन्होंने कहा था, "अमेरिका की सड़कें इसलिए अच्छी नहीं हैं क्योंकि अमेरिका अमीर है, बल्कि अमेरिका अमीर इसलिए है क्योंकि उसकी सड़कें अच्छी हैं।" इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए गडकरी ने भारत की सड़क व्यवस्था को बेहतर बनाने का संकल्प लिया है और इस दिशा में भारी निवेश किया गया है। अब जब हम सड़क नेटवर्क की अहमियत की बात कर ही रहे हैं, तो आइए जानते हैं कि दुनिया के किन देशों में सबसे बड़ा रोड नेटवर्क है और इस लिस्ट में भारत की क्या रैंकिंग है।

अमेरिका - सबसे विशाल सड़क नेटवर्क

दुनिया में सबसे बड़ा रोड नेटवर्क अमेरिका के पास है। जानकारी के मुताबिक, अमेरिका में करीब 68 लाख किलोमीटर लंबी सड़कें हैं। इतना ही नहीं, अमेरिका के पास दुनिया का सबसे लंबा हाईवे भी है, जिसे पैन अमेरिका हाईवे कहा जाता है। ये हाइवे करीब 30,000 किलोमीटर लंबा है और 14 अलग-अलग देशों से होकर गुजरता है।

भारत - दूसरे नंबर पर मजबूत पकड़

इस मामले में भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर आता है। भारत के पास 63.7 लाख किलोमीटर लंबा सड़क नेटवर्क है। इसमें सबसे बड़ी भूमिका नेशनल हाईवे 44 की है, जो 3,745 किलोमीटर लंबा है और कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैला हुआ है। इसके अलावा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे भी इसमें शामिल है, जिसकी लंबाई 1200 किलोमीटर है। इसके पूरे बन जाने पर दिल्ली और मुंबई के बीच की दूरी महज 12 घंटे में तय की जा सकेगी।

चीन - तीसरे स्थान पर

इस सूची में चीन तीसरे नंबर पर है। वहां का सड़क नेटवर्क 53 लाख किलोमीटर लंबा है। चीन का सबसे लंबा हाईवे G219 है, जिसकी लंबाई लगभग 10,000 किलोमीटर है। ये हाइवे देश के कई अहम इलाकों को जोड़ता है।

ब्राजील - चौथे पायदान पर

चीन के बाद इस लिस्ट में ब्राजील का नाम आता है, जहां सड़क नेटवर्क की कुल लंबाई 20 लाख किलोमीटर है। यहां सड़कें अमेजन के घने जंगलों से लेकर शहरों तक फैली हुई हैं। जिससे ब्राजील की भौगोलिक विविधता में भी कनेक्टिविटी बनी रहती है।

रूस - पांचवें स्थान पर

रूस इस लिस्ट में पांचवें नंबर पर आता है। वहां कुल 13 लाख किलोमीटर लंबा सड़क नेटवर्क है। रूस के विशाल भूभाग को जोड़ने के लिए ये रोड नेटवर्क बेहद जरूरी भूमिका निभाता है।

ब्लड प्रैशर का कम होना

ब्लड प्रैशर का कम होना और अधिक होना दोनों ही सेहत के लिए बहुत खतरनाक होते हैं। ब्लड प्रैशर कम होने पर शरीर में खून की गति सामान्य से कम हो जाती है। नार्मल ब्लड प्रैशर 120/80 को माना जाता है। अगर ब्लड प्रैशर 90 से कम हो जाए तो उसे लो ब्लड प्रैशर कहते हैं। बी.पी के कम होने पर शरीर के बाकी अंगों पर भी इसका बहुत बुरा असर पड़ता है।

तो आइये जानते है इसको कंट्रोल के ये उपाय .

नमक:

लो बीपी के उपाय में आप नमक को शामिल कर सकते हैं। नमक की संतुलित मात्रा शरीर में रक्त प्रवाह को नियंत्रित करने काम कर सकती है। नमक में सोडियम होता है जो ब्लड प्रैशर को बढ़ाता है। लेकिन यह बात ध्यान में रखें कि नमक की मात्रा इतनी भी न बढ़ा दें कि सेहत पर बुरा असर पड़े।

कॉफी:

लो बीपी का इलाज करने के लिए आप कॉफी का सेवन कर सकते हैं। ब्लड प्रैशर कम रहने पर एक कप कॉफी रोज पीयें लेकिन यह ध्यान रखें कि इसके साथ कुछ न कुछ जरूर खाएं।

किशमिश:

रात में 30 से 40 किशमिश भिगो दें और सुबह खाली पेट इसका सेवन करें। आप उस पानी को भी पी सकते हैं। आप महीने में एक बार ऐसा कर सकते हैं। इसके अलावा एक गिलास दूध में 4-5 बादाम और 10 से 15 किशमिश भी मिलाकर ले सकते हैं। इससे ब्लड प्रेशर की समस्या कंट्रोल होती है।

तुलसी

जड़ी-बूटियों में सबसे उच्च तुलसी औषधीय गुणों से भरपूर होती है जो लोग ब्लड प्रेशर की समस्या से पीड़ति है वो रोजाना 4 से 8 पत्तियां तुलसी की सेवन करे इससे ब्लड प्रैशर नार्मल हो जाता है। तुलसी में विटामिन सी, पोटैशियम, मैग्नीशियम जैसे कई तत्व पाए जाते हैं जो दिमाग को संतुलित करते हैं और तनाव को भी दूर करते है।

वीर सावरकर जयंती आज

भारत हर साल 28 मई को स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर "वीर" सावरकर की जयंती के उपलक्ष्य में वीर सावरकर जयंती मनाता है। सावरकर हिंदू समुदाय के विकास के लिए गतिविधियों में शामिल थे। उन्होंने देश में जाति व्यवस्था के उन्मूलन की वकालत की और दूसरे धर्मों में धर्मांतरित लोगों के पुनः धर्मांतरण का अनुरोध किया।

एक राजनीतिज्ञ, कार्यकर्ता और लेखक होने के नाते, सावरकर ने अपने जीवनकाल में कई भूमिकाएँ निभाईं, और कहा जाता है कि उन्होंने 1922 में रत्नागिरी में हिरासत में रहने के दौरान हिंदुत्व की हिंदू राष्ट्रवादी राजनीतिक विचारधारा विकसित की थी। वे हिंदू महासभा में अग्रणी व्यक्ति बन गए। बाद में; उनके अनुयायियों ने उनके नाम में उपसर्ग 'वीर' (जिसका अर्थ है बहादुर) जोड़ दिया। सावरकर के जीवन का महिमामंडन काफी विवादास्पद रहा है, खासकर वर्तमान भारतीय राजनीतिक माहौल में।

वीर सावरकर का प्रारंभिक जीवन

==========

सावरकर का जन्म 28 मई 1883 को महाराष्ट्र के नासिक शहर के पास भगूर गाँव में एक मराठी हिंदू चितपावन ब्राह्मण परिवार में दामोदर और राधाबाई सावरकर के घर हुआ था।

सावरकर ने अपनी सक्रियता हाई स्कूल में ही शुरू कर दी थी। उन्होंने 1903 में अपने बड़े भाई गणेश सावरकर के साथ मित्र मेला की स्थापना की, जो बाद में 1906 में अभिनव भारत सोसाइटी बन गई और इसका मुख्य उद्देश्य ब्रिटिश शासन को उखाड़ फेंकना और "हिंदू गौरव" को पुनर्जीवित करना था।

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, एक उग्र राष्ट्रवादी नेता, ने सावरकर को बहुत प्रभावित किया। तिलक इस युवा छात्र से बहुत प्रभावित हुए और 1906 में लंदन में कानून की पढ़ाई के लिए शिवाजी छात्रवृत्ति प्राप्त करने में उनकी मदद की। उन्होंने 1905 के बंगाल विभाजन का विरोध किया और तिलक की उपस्थिति में अन्य छात्रों के साथ भारत में विदेशी कपड़ों की होली जलाई।

1909 के आसपास, उन पर देश में ब्रिटिश सरकार को उखाड़ फेंकने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था, जिसमें उन्होंने कई अधिकारियों की हत्या की थी। अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए, वे पेरिस चले गए, लेकिन बाद में लंदन लौट आए। मार्च 1910 में, उन्हें लंदन में हथियार वितरण, राज्य के खिलाफ युद्ध छेड़ने और देशद्रोही भाषण देने जैसे कई आरोपों में गिरफ्तार किया गया था।

सावरकर ने भारत छोड़ो आंदोलन का विरोध किया

==========

वीर सावरकर ने भारत छोड़ो आंदोलन का विरोध किया और हिंदू सभाओं को अपने पदों पर बने रहने और किसी भी कीमत पर आंदोलन में शामिल न होने का निर्देश दिया।

वीर सावरकर की मृत्यु

==========

अपनी पत्नी यमुनाबाई के निधन के बाद सावरकर ने दवा, भोजन और पानी का त्याग कर दिया और इसे प्रायोपवेश (मृत्यु तक उपवास) कहा। उन्होंने अपनी मृत्यु से पहले एक लेख लिखा जिसका शीर्षक था ₹आत्महत्या नहीं आत्मर्पण₹; उन्होंने लेख में तर्क दिया कि जब किसी के जीवन का उद्देश्य समाप्त हो जाता है और समाज की सेवा करने की क्षमता नहीं रह जाती है, तो जीवन को समाप्त कर देना बेहतर होता है और मृत्यु का इंतजार नहीं करना चाहिए।

वीर सावरकर जयंती: उनके 10 सर्वश्रेष्ठ उद्धरण

==========

"भारत की पवित्र धरती मेरा घर है, उसके वीरों का खून मेरी प्रेरणा है, और उसकी इच्छा की विजय मेरा सपना है।"

"दुनिया उन लोगों का सम्मान करती है जो अपने लिए खड़े हो सकते हैं और अपनी लड़ाई स्वयं लड़ सकते हैं।"

"जो देश अपने नायकों, अपने शहीदों और अपने योद्धाओं को नहीं पहचानता, उसका पतन निश्चित है।"

"स्वतंत्रता कभी दी नहीं जाती, वह हमेशा ली जाती है।"

"यदि हिंदू समाज स्वतंत्रता की सुबह देखना चाहता है तो उसे जाति और पंथ के मतभेदों से ऊपर उठना होगा।"

"कायर कभी इतिहास नहीं बनाते, बल्कि बहादुर लोग ही समय के पन्नों में अपना नाम दर्ज कराते हैं।"

"हमारा एकमात्र कर्तव्य अपने देश के लिए लड़ते रहना है, चाहे कुछ भी हो जाए।"

"स्वतंत्रता के संघर्ष में शिक्षित मस्तिष्क सबसे बड़ा हथियार है।"

"किसी राष्ट्र का अतीत उसकी नींव है; इसे संरक्षित और सम्मानित किया जाना चाहिए।"

"एक सच्चा नेता उदाहरण द्वारा नेतृत्व करता है, कार्य द्वारा प्रेरित करता है, तथा दूरदर्शिता द्वारा सशक्त बनाता है।"

'विषय - काम वृत्ति कैसे मिटे ?'

वृत्तियों का उत्पन्न होना नष्ट होना तो स्वभाव है । तीन वृत्तियां हैं - घोर, शांत और साधारण । काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर ये बताएं हैं । इसमें काम, क्रोध, लोभ मुख्य हैं । इसमें भी काम मुख्य है सब से । काम में बाधा पड़ने से क्रोध आता है और काम की पूर्ति होने से अनुकूलता आती है तो लोभ हो जाता है । तो कामना मुख्य है । ऐसा होना चाहिए - ऐसा होना चाहिए । इसके साथ ऐसा नहीं होना चाहिए यह भी होता है । तो कामना उत्पन्न होती है, पर उधर ध्यान नहीं देते । देखो प्रकाश में कार्य होते हैं, आते - जाते हैं, पर प्रकाश में फर्क नहीं पड़ता । ऐसे ही काम, क्रोध, आते हैं, जाते हैं । इसके साथ न मिलें, विवेक रहे । इससे कैसे बचें ? ये वृत्तियां तो आती - जाती हैं, पर आप हरदम रहते हो । जागृत, स्वपन और गाढ़ नींद में भी "मैं " तो ऐसा ही रहता हूं । ऐसे ही काम, क्रोध आदि विकारों में भी "मैं " रहता हूं ; क्योंकि काम, क्रोध आदि उसमें (आप में) है ही नहीं । एक विचार करना है कि मुझे इसके वशीभूत नहीं होना है । इंद्रियों में राग द्वेष होते हैं, तो इनके वशीभूत नहीं होना है । अगर निर्लेप रह जाए तो यह ज्ञान का मार्ग है । अगर निर्लेप नहीं हो सके, काम क्रोध में बह जाते हो, तो भगवान-को पुकारो ! हे नाथ ! हे नाथ ! बचाओ । दुःखी होकर पुकारोगे तो लाभ होगा । तीसरी बात है जिनकी वृत्तियां शांत हैं, विरक्त हैं । उनके पास रहने से वृत्तियां शांत होंगी । कामी, क्रोधी के पास आने से काम, क्रोध बढ़ जाते हैं । तो जिनकी वृत्तियां शांत हैं, वहां स्वतः ही वृत्तियां शांत होंगी । और एक उपाय है - भक्तों का चरित्र पढ़ो । एकांत में बैठ गए । घंटा, दो घंटा, आधा घंटा भक्तों का चरित्र पढ़ो । पढ़ते पढ़ते हृदय गद्गद् हो जाए, तो भगवान-को पुकारो । हे नाथ ! हे नाथ ! भगवान का स्मरण करो । तो जब तक प्रार्थना होती रहे, तब तक करो, जप करो । फिर ऐसी स्थिति न रहे तो वहीं से फिर पढ़ो, जहां से हृदय गद्गद् होता है । फिर जप, स्मरण करो । भगवान-का चरित्र पढ़ो । गोस्वामी जी की विनय पत्रिका पढ़ो । तो एक तो हृदय गद्गद् हो गया, अश्रुपात हो गया, ये होता है । दूसरा मन शांत हो जाए, कुछ विचार न आए, चुप हो गया । तो ऐसे आप में एक ताकत आएगी ।

और ज्यादा वृत्ति आवे, गड़बड़ करें - तो राम राम राम करो । मन से जपते रहो, कान से सुनते रहो । आते-जाते श्वास में जप छूटे नहीं । श्वास लेते छोड़ते हुए राम-राम राम-राम कैसे करें करके बता रहे हैं । ऐसे भगवान में लगे रहो । हर दम लगे रहो । ज्यादा वृत्तियां खराब हों तो संतो के पास चले जाओ । साधकों के पास चले जाओ । नहीं तो पुस्तक पढ़ने लग जाओ । गीता पढ़ने लग जाओ । गीता का उल्टा पाठ करो । ऐसा करने से ताकत आ जाएगी । पुकार करो भगवान-से । भक्तों का चरित्र पढ़ो । गीता का पाठ करो । करके देखो आप । वृत्तियां उत्पन्न और नष्ट होती हैं । ये तो सही है । पर तटस्थ रहो । वृत्तियां आती हैं, तो जाने के लिए आती हैं, नष्ट होने के लिए आती हैं । ज्यादा वृत्तियां हो जाए तो कहो ना । उंगली से कहो ना । मन से कहो ना । एक दो बार करने से नहीं मिटे तो भी कहते रहो । अंत में आपकी विजय होगी । सत्संग से बहुत लाभ होता है । कीर्तन हो रहा हो, वहां कीर्तन करो । भक्त चरित्र पढ़ो । भगवान के चरित्र पढ़ो । कीर्तन करो । करके देखो । घंटा, दो घंटा । अनउत्साह नहीं होना चाहिए । विजय अंत में आपकी होगी । सच्ची बात बतावें, यह तो आते जाते हैं, पर आप रहते हो ।

कपूर जलाने से खत्म होती है नकारात्मक ऊर्जा

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि कपूर के बारे में वैज्ञानिक शोधों के आधार पर भी कहा जाता है कि इसकी सुगंध से जीवाणु, विषाणु आदि बीमारी फैलाने वाले जीव खत्म हो जाते हैं। यह वातावरण को शुद्ध करता है जिससे बीमारी होने खतरा कम हो जाता है।

हिंदू पूजा पद्धति में कपूर बहुत खास है। पूजा के बाद आरती में कपूर का उपयोग किया जाता है। कपूर के बिना आरती अधूरी मानी जाती है। भारतीय पूजा पद्धति वैज्ञानिक नजरिये से भी महत्वपूर्ण है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इसमें इस्तेमाल किए जाने वाली हर चीज का वैज्ञानिक महत्व भी है। घर में कपूर जलाने से हानिकारक बैक्टीरिया खत्म होते हैं। कपूर जलाने से नकारात्मकता सकारात्मक ऊर्जा में बदल जाती है। कपूर का उपयोग बीमारियों के इलाज में भी किया जाता है। इसलिए धर्मग्रंथों के साथ आयुर्वेद में भी कपूर के बारे में खासतौर से बताया गया है। ज्योतिषीय और वास्तु उपायों में भी कपूर का उपयोग महत्वपूर्ण रूप से किया जाता है।

घर से बाहर हो जाती है दूषित वायु

- ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि कपूर के बारे में वैज्ञानिक शोधों के आधार पर भी कहा जाता है कि इसकी सुगंध से जीवाणु, विषाणु आदि बीमारी फैलाने वाले जीव खत्म हो जाते हैं। यह वातावरण को शुद्ध करता है जिससे बीमारी होने खतरा कम हो जाता है। विज्ञान के अनुसार, पूजा या हवन करते समय जब हम कपूर जलाते हैं, तो उससे निकलने वाला धुआं आसपास की नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करता है।

- ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि रोज कपूर जलाने से आसपास की हवा साफ होने लगती है। खराब हवा घर से बाहर हो जाती है और वातावरण शुद्ध हो जाता है। सुबह-शाम कपूर जलाने से बाहरी नकारात्मक ऊर्जा घर में नहीं आ पाती है। कपूर जलाने से हवा में ऑक्सीजन की मात्रा भी बढ़ सकती है। प्रदूषित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बीमारियों से बचने के लिए कपूर जलाना चाहिए।

- ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि कपूर जलाने से बैक्टीरिया, कीटाणु, मच्छर आदि घर में नहीं आ पाते हैं। कपूर को बारीक पीसकर पानी में डालकर पोंछा लगाने से चींटी, कीड़े नहीं आते। वास्तु दोष दूर करने में भी कपूर का अच्छा असर होता है। घर के जिस कमरे में शुद्ध वायु आने-जाने के लिए खिड़की, रोशनदान आदि न हों वहां कांच के बर्तन में कपूर रखने से शुद्ध वायु का संचार होता है।

जीवन में विभिन्न अवसर/स्थितियां आंधियों के समान आतें हैं और हमें कुछ नया पाठ सिखा जातें हैं।

जो पेड़ अकड़े हुए खड़े रहते हैं वे ही आँधी से उखड़ते देखे जाते हैं। कोमल/कमजोर बेल, जो समयानुकूल रहती है हर आँधी तूफान से बच जाती है। कभी धरती पर उगी हुई घास को देखें, वह आँधियों से टकराती नहीं हैं वरन तेज हवा चलने पर, उसी दिशा में मुड़ जाती है जिधर को हवा का रुख होता है। परिस्थिति को परखने वाली इस घास/बेल का कोई आँधी/तूफान कुछ बिगाड़ नहीं पाता। इसलिए यदि हम परिस्थिति के अनुसार जागृत हैं तो पता चलता है कि आती आंधियों की दिशा/दशा के विपरीत किया गया हमारा संघर्ष हमें तोड़ जाता है। यह सच है कि हम सही हों, लेकिन यह जरूरी नहीं कि सामने वाला गलत ही हो। घटना को जिस दिशा/एंगल से हम देख रहें हैं उससे दूसरी दिशा/एंगल से देखने वाला हमारा शत्रु/विरोधी नहीं हो जाता। बल्कि बस एक ही घटना को, दोनों के देखने का एंगल बदल गया है। यह सत्य नहीं है कि हम ही सबसे श्रेष्ठ/निर्दोष/बुद्धिमान हों। दूसरे लोग भी अपने दृष्टिकोण के अनुसार सही हो सकते हैं और हो सकता है जिन परिस्थितियों में वह है उनमें उनके लिए वैसा ही सोचना/बनना/करना, स्वाभाविक हो। इसलिए दूसरों के दृष्टिकोण को, उनकी परिस्थितियों की भिन्नता को हम हृदय से स्वीकार करे।

व्यवहार रोजगार की पहली प्राथमिकता: चंद्रकांति नागे

हिमांशु ब्यूटी पार्लर चारामा में हुआ विदाई समारोह का आयोजन, बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये

चारामा, कांकेर। हिमांशु ब्यूटी पार्लर एकेडमी चारामा जिला कांकेर में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले स्टूडेंट के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। दो महीने से अधिक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली छात्रा महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। इस अवसर पर हिमांशु ब्यूटी पार्लर एकेडमी की संचालिका चंद्रकांति नागे ने प्रशिक्षणार्थियों का आह्वान किया कि अपना रोजगार ईमानदारी और मधुर व्यवहार से करके ही आप आगे बढ़ सकते हैं। व्यवहार बिना किसी भी काम में सफलता नहीं पाई जा सकती।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉक्टर ममता रामटेके और विशेष अतिथि हेमलता सोनी कोरर भानु प्रतापपुर ने गायत्री माता के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर समारोह की शुरुआत की। चंद्रकांति नागे ने बताया कि कार्यक्रम में बीस प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे। उन्हें चंद्रकांति नागे की ओर से थ्रेडिंग चेयर, वैक्स हीटर, हेयर डायल, पेन, डायरी कॉपी और सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। चंद्रकांति ने बताया कि उनसे प्रशिक्षित बच्चे प्रदेश के विभिन्न जिलों में पचास से ज़्यादा पार्लर चलाकर सम्मानपूर्वक ज़िंदगी गुजर बसर कर रहे हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में नई उड़ान फाउंडेशन की डायरेक्टर उषा शर्मा का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर गायत्री साहू, आरती नेताम, महेश्वरी, गुनेश्वरी, भगवती, तनुजा देवांगन, दिव्या देवांगन, प्रमिला साहू, हेमलता सोनी, ज्योति, दिव्या, रामेश्वरी, अनिता व सुनीता रजक भी उपस्थित थे।

'अंतर. हिंदी पत्रकारिता माह- 2025' में होंगी विविध गतिविधि

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली। 'अंतरराष्ट्रीय हिंदी पत्रकारिता माह -2025' का आयोजन 30 मई से 30 जून तक किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर पर न्यू मीडिया सृजन संसार ग्लोबल फाउंडेशन एवं अदम्य ग्लोबल फाउंडेशन के सहयोग से यह आयोजन त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब केन्द्रीय विवि, आशा पारस फॉर पीस एंड हार्मनी फाउंडेशन, एकलव्य विवि (दमोह, मध्य प्रदेश), थाईलैंड हिंदी परिषद और कई वैश्विक संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में विविध स्तरों पर आयोजित होगा।

आयोजन की संयोजिका पूनम चतुर्वेदी शुक्ला (संस्थापक- निदेशक, न्यू मीडिया सृजन संसार ग्लोबल फाउंडेशन) ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी पत्रकारिता की ऐतिहासिक, समकालीन और भविष्यगत भूमिका पर विमर्श, शोध, विश्लेषण और उत्सव के माध्यम से एक व्यापक संवाद स्थापित करना है। इसमें 30 से अधिक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियाँ, वैश्विक शोध लेखन प्रतियोगिताएँ, पुस्तकों का लोकार्पण, ऑनलाइन कार्यशालाएँ, कवि सम्मेलन, लेखन कार्यशालाएं, तकनीकी कार्यशालाएं, लेखकों के साथ बातचीत और युवा पत्रकारों हेतु प्रशिक्षण कार्यशालाएं, दूर-दराज क्षेत्रों में हिंदी पत्रकारिता पर सेमिनार, थीम आधारित पोस्टर प्रतियोगिताएँ आदि गतिविधि होंगी।

फाउंडेशन (कर्नाटक) के मप्र समन्वयक मप्र समन्वयक अजय जैन 'विकल्प' ने बताया कि आयोजनों में प्रयागराज, बरेली, दमोह और अमेरिका आदि में हाइब्रिड मोड में संगोष्ठियाँ होंगी, जिनमें शोधार्थी, पत्रकार, लेखक, शिक्षाविद और भाषाविद् आदि प्रतिभागिता करेंगे। सहभागिता एवं योगदान हेतु ई-मेल (Editor@SrijanSansar.com) और वेबसाइट (https://srijanaustralia.srijansansar.com) द्वारा संपर्क कर सकते हैं।

रमुख विषय से जोड़ा

प्रत्येक संगोष्ठी को हिंदी के एक प्रमुख विषय से जोड़ा गया है, जिससे भारत के विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी पत्रकारिता के योगदान पर समग्र दृष्टिकोण सामने लाया जा सके। इसी कड़ी में विशेष पहल है ₹अंतरराष्ट्रीय शोधपरक समीक्षात्मक आलेख लेखन प्रतियोगिता', जो कवि-लेखक डॉ. शैलेश शुक्ला की चर्चित पुस्तक 'हिंदी भाषा और तकनीक' पर केंद्रित है। इसमें शोधार्थी, विद्यार्थी, लेखक, भाषाप्रेमी आदि भाग ले सकते हैं। इसका उद्देश्य हिंदी और तकनीक के समागम पर शोध को बढ़ावा देना तथा डिजिटल युग में हिंदी की बदलती भूमिका पर विमर्श को गहराई देना है। पयह पूर्णतः निःशुल्क है और उत्कृष्ट आलेखों को सम्मानित करने के साथ प्रकाशित व पुरस्कृत (राशि भी) किया जाएगा।

मुख्य मंत्री रेखा गुप्ता ने जिलाध्यक्षों को अपनी 100 दिन के कार्य से अवगत करा दिल्ली के सुधार एवं विकास के लिए सुझाव मांगे

मुख्य संवाददाता सुषमा रानी

नई दिल्ली : दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा की अध्यक्षता में आज नवनिर्वाचित जिलाध्यक्षों की पहली बैठक प्रदेश कार्यालय में सम्पन्न हुई।

बैठक को दिल्ली की मुख्य मंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली भाजपा की सह प्रभारी डा. अल्का गुर्जर, संगठन महामंत्री पवन राणा एवं महामंत्री विष्णु मित्तल ने भी सम्बोधित किया। उन्होने सभी 14 नये जिलाध्यक्षों एवं राज्य परिषद के 105 सदस्यों को शुभकामनाऐ दी और आशा व्यक्त की दिल्ली संगठन एवं सरकार पूरी स्फूर्ति से काम कर प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत की कल्पना को साकार करेंगे।

मुख्य मंत्री रेखा गुप्ता ने जिलाध्यक्षों को दिल्ली सरकार के 3 दिन बाद पूरे होने जा रहे 100 दिन के कार्यकाल में दिल्ली में किये गये सुधार कार्यो से अवगत कराया और दिल्ली के विकास के लिए सुझाव मांगे।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा की वर्तमान सप्ताह बहुत महत्वपूर्ण सप्ताह है जिसमें प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के कीर्तिमानों से भरे 11 वर्ष पूरे हुए हैं तो वहीं दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता सरकार के सेवा के 100 सफल दिन पूरे हो रहे हैं।

सचदेवा ने कहा है हम विकसित भारत की विकसित दिल्ली के निर्माण के लक्ष्य से काम कर रहे हैं और नव गठित जिला एवं मंडल संगठन को इसे पूर्ण करने में अपना योगदान देना है।

दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष ने जिलाध्यक्षों के समक्ष आगामी दो सप्ताह में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर चलने वाले #संकल्प से सिद्धि# कार्यक्रम पर चर्चा की और कहा की हमे प्रदेश से मंडल तक कार्यक्रमों को लेकर जाना है। बैठक में सभी 14 नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष उपस्थित रहे।

अनियोजित शहरीकरण से जलमग्न होते शहर !

हमारे देश में मानसून या यूं कहें कि बारिश का मौसम लगभग जून से सितंबर तक रहता है और इस अवधि के दौरान देश के ज्यादातर हिस्सों में बारिश होती है।यह आलेख लिखे जाने तक अभी भी मई माह का ही लगभग एक सप्ताह शेष बचा है। मतलब मानसून की देश में अभी शुरुआत भी नहीं हुई है।उत्तर भारत समेत देशभर के इलाकों में इन दिनों भीषण गर्मी का कहर जारी है।भीषण गर्मी में लोगों को मॉनसून(बारिश) का बेसब्री से इंतजार है और वर्तमान में हमारे यहां जल्द ही मॉनसून की दस्तक होने जा रही है। मौसम विभाग ने खुशखबरी दी है कि तीन से चार दिनों में मॉनसून केरल में एंट्री दे देगा। पाठकों को बताता चलूं कि आमतौर पर मॉनसून की केरल में आने की तारीख एक जून होती है, लेकिन इस बार समय से काफी पहले ही मॉनसून की झमाझम बारिश देखने को मिलने की संभावनाएं जताई जा रहीं हैं। देश में मानसून की ढंग से शुरुआत भी नहीं हुई कि देश के महानगरों का अभी से बारिश से बुरा हाल होने लगा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि महज़ कुछ घंटों की बारिश से महानगरों का हाल बुरा होने लगा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार हाल ही में

१० मई को ही प्री-मानसून बारिश के बाद बेंगलुरु की सड़कें जलमग्न हो गईं और ट्रैफिक जाम की स्थिति पैदा हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 19 मई और १० मई को सुबह 8.30 बजे के बीच, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) के बेंगलुरु सिटी स्टेशन पर ३7.१ मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि बेंगलुरु एयरपोर्ट स्टेशन पर 46.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। भारत की सिलिकॉन वैली कहलाने वाला बेंगलुरु फिलहाल भीषण गर्मी नहीं, बल्कि बारिश से त्रस्त है। बारिश से शहर जलमग्न हो गया और जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। जानकारी के अनुसार वहां 5 लोगों की मौत हो गई और घर व निचले इलाके जलमग्न हो गए। जानकारी के अनुसार शहर की १० से अधिक झीलें पानी से लबालब भरी हुई हैं। अंडरपास और फ्लाईओवरों पर पानी भर गया है, जिससे पूरे शहर का ट्रैफिक कई घंटों के लिए बाधित रहा। गाड़ियों की आवाजाही रुकी रही और कई इलाकों में सार्वजनिक बस सेवाएं ठप्प रहीं। न केवल सिलिकॉन वैली बेंगलुरु बल्कि मॉनसून से पहले ही मई में होने वाली बारिश ने महाराष्ट्र में भी हर तरफ पानी ही पानी कर दिया है। मुंबई और उसके आसपास के इलाके जैसे तालाब में तब्दील हो गए। पाठकों को बताता चलूं कि बारिश ने मुंबई की ड्रेनेज सिस्टम की एक बार फिर से पोल खोलकर रख दी है। मुंबई, पुणे और ठाणे का लगातार हुई बारिश से बुरा हाल हो गया। नवी मुंबई और ठाणे से कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिनमें सड़कों पर भरा पानी देखा जा सकता है।लोग गंदे पानी में घुसकर रास्ता पार करने को मजबूर हैं और कई इलाकों में लोग अपने घरों से पंप के सहारे पानी निकालते दिखे। पाठकों को बताता चलूं कि बेंगलुरु भारत का आइटी हब कहलाता है। यदि वहां पर ऐसे हालात हैं तो यह सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत के अन्य शहरों के हालात कैसे होने वाले हैं, जबकि अभी तो यह प्री-मानसून का ही सीजन है। असली मानसून आएगा तो कैसे हालात होंगे ? अगर हम यहां बेंगलुरु की ही बात करें तो आंकड़ों के मुताबिक यहां करीब २०4 झीलें हैं, जिनमें से करीब 180 झीलें अतिक्रमण का दंश झेल रही हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि अतिक्रमण कहीं न कहीं बाढ़ जैसे हालातों को जन्म देता है। आज हमारे देश के लगभग लगभग शहरों में पानी की निकासी की सही व माकूल व्यवस्थाएं नहीं हैं। थोड़ा सा पानी बरसता है तो हमारी सड़कें, गलियां और मोहल्ले जलमग्न होने लगते हैं। आख़िर हमारे देश के बड़े महानगरों और शहरों में जलभराव की समस्या क्यों जन्म लेतीं हैं ? इसके पीछे कारण क्या है ? तो यहां पाठकों को बताता चलूं कि आज देश की आबादी लगातार बढ़ती जा रही है और पेड़-पौधे लगातार कम होते जा रहे हैं। हमारे देश के बड़े महानगरों और शहरों में नित नई-नई इमारतों का निर्माण हो रहा है, लेकिन जल निकासी की नई व मजबूत व्यवस्था पर काम नहीं किया जा रहा है। आज जगह-जगह कंक्रीट की दीवारें खड़ी होने के चलते जमीन पानी नहीं सोख पा रही है। हमारे ड्रेनेज सिस्टम अक्सर ब्लॉक होते हैं। उनकी नियमित साफ-सफाई पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता है।पानी की प्रॉपर निकासी नहीं है। ज्यादातर छोटे-बड़े शहरों में बरसात के पानी की निकासी के लिए स्टॉर्म वॉटर ड्रेन (बरसाती नाले) बने हुए हैं। लेकिन जब ये बनाए जाते हैं, तब ये ठीक होते हैं और बाद में उनमें मिट्टी और कचरा भर जाता है।

कहना ग़लत नहीं होगा कि बारिश में सीवर ओवरफ्लो होते हैं, जिससे दूषित पानी गलियों और सड़कों में भर जाता है। यह विडंबना ही है कि आज टाउनशिप डेवलपमेंट प्लानिंग में हम भविष्य और डेंसिटी दोनों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। सच तो यह है कि आज ठोस कचरे को बरसाती नालों में डाल दिया जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज अवैध निर्माणों से बुनियादी ढांचे पर असर पड़ रहा है। हमारे यहां जल नियोजन व्यवस्थाएं ठीक नहीं हैं। हमारे यहां भूजल को रिचार्ज करने की व्यवस्थाएं भी ठीक नहीं हैं। क्रंकीट की दीवारें बारिश जल को सोख नहीं पातीं हैं। सच तो यह है कि कंक्रीट की लगातार फैलती परत (अनियंत्रित ऊंची इमारतों का निर्माण) प्राकृतिक बारिश को नहीं सोख पाता है और शहर जलमग्न होते हैं। अनियमित शहरीकरण के कारण और औधोगिकीकरण के कारण समस्याएं पैदा हो रहीं हैं। पहले के जमाने में नगर नियोजन बहुत बेहतर था, आज नहीं है। पाठकों को बताता चलूं कि सिंधु घाटी सभ्यता में, लोथल और धोलावीरा जैसे शहरों में व्यवस्थित शहरी नियोजन था। रोमवासियों ने भी अपने साम्राज्य में शहरों को समकोण पर सड़कों के साथ डिजाइन किया था, आज वैसी व्यवस्थाओं का नितांत अभाव सा हो गया है। शहर अव्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रहें है। इसके अलावा आज वायुमंडलीय अस्थिरता के कारण भी बेमौसम बारिश हो रही है। वनों की अंधाधुंध और अनियोजित कटाई, शहरीकरण और प्रदूषण जैसी मानवीय गतिविधियों से बेमौसम बारिश हो रही है। समय के साथ आज बारिश का पैटर्न भी पूरी तरह से बदल गया है। संक्षेप में कहें तो आज जलवायु परिवर्तन, गर्म महासागर, और हवा में नमी की मात्रा में वृद्धि अधिक बारिश के प्रमुख कारण बनकर सामने आ रहें है। इन कारणों से, वायुमंडल में अधिक पानी की वाष्प होती है, जिससे मूसलाधार बारिश और बाढ़ जैसी घटनाएं बढ़ जाती हैं। प्रकृति से छेड़छाड़ के कारण और अनियोजित मानवीय गतिविधियों के कारण प्रकृति का संतुलन हमने बिगाड़ कर रख दिया है। शायद यही कारण भी है कि आज भारत के प्रमुख शहर- दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता धीरे-धीरे बारिश में डूब रहे हैं। हमारा बुनियादी ढांचा आज अपंग सा हो चुका है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज मानसून आपदाओं की मूल समस्या अनियंत्रित शहरी जनसंख्या वृद्धि है। जलवायु परिवर्तन के कारण आज ग्लेशियर भी पिघलने लगे हैं।ज़ल संसाधनों की इष्टतम उपयोगिता सुनिश्चित करने के लिए आज जल नियोजन बहुत जरुरी हो गया है, हमें चाहिए कि हम इस ओर ध्यान दें। आज जरुरत इस बात की है कि हम अनियमित, अनियोजित शहरीकरण और औधोगिकीकरण पर अंकुश लगाने की दिशा में जागरूक होकर काम करें। मानसून सीजन में बाढ़ के ख़तरों से निपटने के लिए एक प्रभावी और मजबूत रणनीति के साथ ही साथ बुनियादी ढांचे और समुदाय की भागीदारी की नितांत आवश्यकता है। योजनाओं का सही व सुचारू कार्यान्वयन होना चाहिए। हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि जल नियोजन जल प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, उत्तराखंड।

भारत में पहली बार कंबाइंड रोबोट-एसिस्टेड हार्ट बायपास और ब्रेस्ट कैंसर सर्जरी, लगभग 11 घंटे चली मरीज की सर्जरी

मुख्य संवाददाता

नई दिल्ली: फोर्टिस एस्कॉर्ट्स, ओखला के डॉक्टरों ने एक दुर्लभ मेडिकल मामले में सफलता हासिल करते हुए भारत में पहली बार जीवनरक्षक दोहरी सर्जरी को अंजाम दिया जिसमें हार्ट बायपास सर्जरी (कोरोनरी आर्टरी बायपास ग्राफ्टिंग) और ब्रेस्ट कैंसर सर्जरी (रेडिकल मेस्टेक्टॅमी) को ही एक ही सेशन में किया गया। बांग्लादेश की 72-वर्षीय बुजुर्ग महिला की यह सर्जरी सफल रही। डॉ ऋत्विक राज भुयान, डायरेक्टर, एडल्ट कार्डियोथोरेसिक एंड वास्क्युलर सर्जरी, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स, ओखला रोड, डॉ अचित पंडित, डायरेक्टर, सर्जिकल ओंकोलॉजी, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स, ओखला रोड और डॉविनीत गोयल, कंसल्टेंट, सर्जिकल ओंकोलॉजी, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स, ओखला रोड ने रोबोट-एसिस्टेड कोरोनरी आर्टरी बायपास ग्राफ्टिंग (सीएबीजी) के बाद कैंसरग्रस्त ब्रेस्ट और आसपास की ग्रंथियों को निकाला। सर्जरी करीब 11 घंटे चली और मरीज को 12 दिनों के बाद, स्थिर अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दी गई।

फोर्टिस एस्कॉर्ट्स, ओखला में भर्ती के बाद मरीज को सांस लेने में तकलीफ थी, और वह काफी थकान भी महसूस कर रही थीं, साथ ही, उनके दाहिने स्तन पर एक बड़े आकार का घाव भी था जिसमें संक्रमण फैल चुका था। आरंभिक मेडिकल जांच से पता चला कि उनके हृदय की

तीन मुख्य धमनियों में गंभीर रूप से रुकावट होने की वजह से हार्ट फेल की स्थिति पैदा हो चुकी थी और वह एडवांस, इंफेक्टेड तथा ब्लीडिंग स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर से भी ग्रस्त थीं। मरीज का हृदय काफी कमजोर था और ऐसे में वह कैंसर सर्जरी को सहन नहीं कर सकती थीं, उनका कैंसर भी काफी एडवांस स्टेज में था जिसका बिना देरी किए उपचार करना जरूरी था। इसे देखते हुए, मेडिकल टीम ने तत्काल दोहरी सर्जरी करने का फैसला किया। पहले, कोरोनरी आर्टरी बायपास ग्राफ्टिंग (सीएबीजी) कर उनके हृदय तक ब्लड सप्लाई बहाल की गई, जिसके बाद तुरंत सर्जरी कर कैंसरग्रस्त ब्रेस्ट तथा आसपास की इंफेक्शन से लड़ने वाली ग्रंथियों को निकाला गया (मोडिफाइड रेडिकल मेस्टेक्टमी)। इस दुर्लभ और चुनौतीपूर्ण सर्जरी की मदद से एक ही सेशन में जीवनघाती कंडीशन से मरीज को मुक्त करने में सफलता मिली।

इस मामले की जानकारी देते हुए, डॉ ऋत्विक राज भुयान, डायरेक्टर, एडल्ट कार्डियोथोरेसिक एंड वास्क्युलर सर्जरी, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स, ओखला रोड, नई दिल्ली ने कहा, "यह केवल सर्जिकल सफलता का ही मामला नहीं था, बल्कि इस बात का भी उदाहरण है कि किस प्रकार मल्टी-डिसीप्लीनरी टीम का आपस में सहयोगी रवैया और मरीज के प्रति दयाभाव से क्या कुछ नहीं हासिल किया जा सकता। मरीज की कमजोर कंडीशन के बावजूद हाइ-रिस्क कार्डियाक बायपास सर्जरी अपने आप में किसी चुनौती से कम नहीं थी। लेकिन इस मामले में पहली सर्जरी के तुरंत बाद उसी सेशन में कैंसर सर्जरी करने से जटिलता बढ़ गई थी। हमने रोबोटो-एसिस्टेड सर्जरी करने का फैसला किया जिसमें मरीज की हार्ट बायपास सर्जरी के लिए सीने में एक तरफ मामूली आकार का चीरा लगाया गया, जबकि पारंपरिक ओपन-हार्ट सर्जरी के लिए ब्रेस्टस्टोन में बड़ा चीरा लगाया जाता है।"

डॉ अर्चित पंडित, डायरेक्टर, सर्जिकल ओंकोलॉजी, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स, ओखला रोड, नई दिल्ली ने कहा, "मरीज का स्तन कैंसर काफी गंभीर स्टेज का था, ट्यूमर की वजह से त्वचा पर भी घाव फैलने लगा था और लगातार ब्लीडिंग हो रही थी, जिसकी वजह से जान को खतरा था। लेकिन उनकी हार्ट कंडीशन ऐसी थी कि स्टैंडएलोन कैंसर सर्जरी करना नामुमकिन था। इसके मद्देनज़र हमने दुर्लभ किस्म की डुअल सर्जरी करने का फैसला किया। मरीज की बायपास सर्जरी के बाद, हमने बिना कोई देरी किए, मोडीफाइड रेडिकल मैस्टैक्टॅमी की। सर्जरी सफल रही और मरीज को अस्पताल से स्थिर हालत में छुट्टी दे दी गई। यदि उनके उपचार में देरी की जाती तो यह जीवनघातक साबित हो सकता था।"

डॉ विक्रम अग्रवाल, फेसिलिटी डायरेक्टर, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स, ओखला रोड, नई दिल्ली ने कहा, "यह दुर्लभ मामला भारत में पहला सफल सर्जिकल इंटरवेंशन है, जो विभिन्न चिकित्सा क्षेत्रों में अस्पताल की नेतृत्व क्षमताओं को भी दर्शाता है। डॉ ऋत्विक राज भुयान और डॉ अर्चित पंडित के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने उत्कृष्ट विशेषज्ञता और टीमवर्क का परिचय दिया। मामले में सफलता ने उत्कृष्टता के केंद्र के तौर पर हमारी स्थिति को और मजबूती दी है और साथ ही, भारत से बाहर दूरदराज के देशों के उन मरीजों के लिए भी उम्मीद की किरण दिखायी है जो उन्नत, जीवनरक्षक मेडिकल सॉल्यूशंस की तलाश में हैं।"

अंबेडकर नगर थाना पुलिस ने कुख्यात मोबाइल चोर गिरोह के तीन सदस्यों को किया गिरफ्तार

स्वतंत्र सिंह भुल्लर नई दिल्ली

नई दिल्ली। 26 मई को गुप्त सूचना मिली कि तीन कुख्यात झपटमार/चोर चोरी किए गए मोबाइल फोन को बेचने के लिए जहापनाह जंगल से ग्रेटर कैलाश की ओर जा रहे हैं। इस सूचना पर इंस्पेक्टर आनंद स्वरूप (SHO/PS अंबेडकर नगर) के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई, जिसमें इंस्पेक्टर नीरज कुमार, एएसआई पंकज रजोरा, एचसी राजेश, एचसी योगेंद्र, एचसी राहुल मलिक, कॉन्स्टेबल संजय, विकास और ओमप्रकाश शामिल थे। टीम को श्री दिनेश शर्मा, एसीपी/सीआर पार्क के मार्गदर्शन में लगाया गया।

सूचना की पुष्टि व क्षेत्रीय जांच के बाद, टीम ने जहापनाह सिटी फॉरेस्ट के पास एक खुली जिम के पास जाल बिछाया। कुछ समय बाद तीन संदिग्ध व्यक्ति आते दिखे। पुलिस को देखकर वे भागने लगे, लेकिन सतर्क पुलिसकर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया। उनकी पहचान विनोद उर्फ सूरज, सोनू उर्फ अजय उर्फ बच्चा और फतेह खान उर्फ साहिल के रूप में हुई। तलाशी में उनके पास से 09 मोबाइल फोन बरामद हुए, जिनके बारे में वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। जांच में ये मोबाइल अलग-अलग ई-

एफआईआर से जुड़े पाए गए।पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि वे नशे के आदी हैं और नशे की लत पूरी करने के लिए मोबाइल चोरी/झपटमारी करते थे। वे चोरी किए गए मोबाइलों को एक अज्ञात खरीदार को बेचते थे, जो अलग-अलग पार्कों में पहले से तय स्थानों पर उनसे मिलता था।

जाति विशेष के अधिकारी नहीं चाहते कि हरियाणा के रोजगार कार्यालयों में लगे भारत रत्न संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की तस्वीर या मूर्ति :- नरेश गुणपाल

रोजगार कार्यालय भारत रत्न संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की देन :- नरेश गुणपाल

हिसार,

सामाजिक एवं आरटीआई एक्टिविस्ट नरेश गुणपाल ने प्रेस को जारी एक बयान में कहा कि भारत रत्न संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी ने रोजगार कार्यालयों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसलिए उनकी तस्वीर या मूर्ति कार्यालयों में लगाना सर्वथा उचित है। यह उनकी याद दिलाएगा और प्रेरणा देगा।

डॉ. अंबेडकर ने नां केवल संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई बल्कि उन्होंने सामाजिक न्याय और समानता के लिए भी अथक प्रयास किए थे, वे रोजगार कार्यालयों की स्थापना के भी समर्थक थे, जो गरीबों, वंचितों और कमजोरों को रोजगार दिलाने में मदद करते हैं।

डॉ. अंबेडकर की तस्वीर या मूर्ति कार्यालयों में लगाने से एक सकारात्मक संदेश भी जाएगा कि रोजगार कार्यालयों में सामाजिक न्याय और समानता की भावना को महत्व दिया जाता है।

डॉ. अंबेडकर की तस्वीर या मूर्ति कार्यालयों में लगाना एक सम्मानजनक कार्य है और इससे

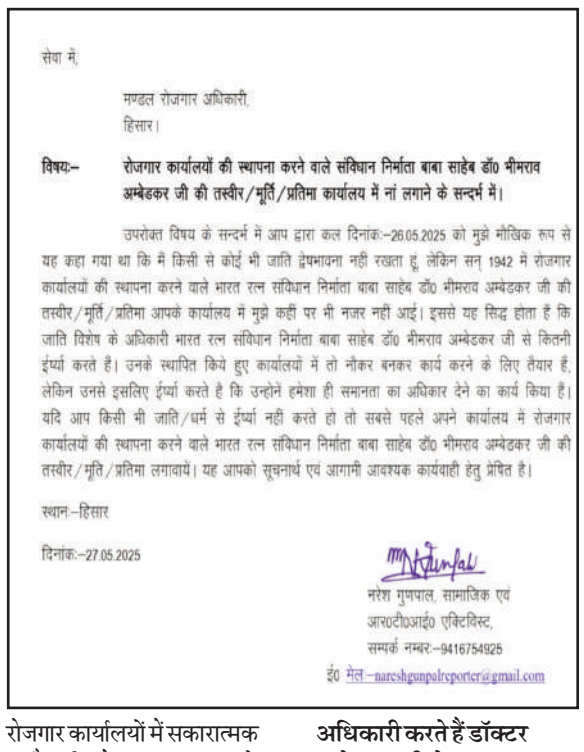

सेवा में,

मण्डल रोजगार अधिकारी,
हिसार।

विषय:– रोजगार कार्यालयों की स्थापना करने वाले संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी की तस्वीर/मूर्ति/प्रतिमा कार्यालय में नां लगाने के सन्दर्भ में।

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में आप द्वारा कल दिनांक:–26.05.2025 को मुझे मौखिक रूप से यह कहा गया था कि मैं किसी से कोई भी जाति द्वेषभावना नहीं रखता हूं, लेकिन सन् 1942 में रोजगार कार्यालयों की स्थापना करने वाले भारत रत्न संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी की तस्वीर/मूर्ति/प्रतिमा आपके कार्यालय में मुझे कहीं पर भी नजर नहीं आई। इससे यह सिद्ध होता है कि जाति विशेष के अधिकारी भारत रत्न संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी से कितनी ईर्ष्या करते हैं। उनके स्थापित किये हुए कार्यालयों में तो नौकर बनकर कार्य करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उनसे इसलिए ईर्ष्या करते है कि उन्होंने हमेशा ही समानता का अधिकार देने का कार्य किया है। यदि आप किसी भी जाति/धर्म से ईर्ष्या नहीं करते हो तो सबसे पहले अपने कार्यालय में रोजगार कार्यालयों की स्थापना करने वाले भारत रत्न संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी की तस्वीर/मूर्ति/प्रतिमा लगवायें। यह आपको सूचनार्थ एवं आगामी आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

स्थान:–हिसार

दिनांक:–27.05.2025

नरेश गुणपाल, सामाजिक एवं
आर0टी0आई0 एक्टिविस्ट,
सम्पर्क नम्बर:–9416754925
ई0 मेल–nareshgunpalreporter@gmail.com

रोजगार कार्यालयों में सकारात्मक माहौल भी बनेगा। यह उन युवाओं को भी प्रेरित करेगा जो सामाजिक न्याय और समानता के लिए काम करते हैं।

कुछ जातिवादी सोच के अधिकारी या कर्मचारी डॉ. अंबेडकर की तस्वीर या मूर्ति लगाने के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन ऐसा करना सही नहीं है । यह एक सबसे बड़ा अपमान है।

जातिवादी सोच के अधिकारी करते हैं डॉक्टर अंबेडकर जी से भरपूर नफरत।

मण्डल रोजगार कार्यालय हिसार में कार्यरत मण्डल रोजगार अधिकारी पंकज ढाण्डा के कार्यालय में डॉ. अंबेडकर जी की तस्वीर या मूर्ति कहीं पर भी नजर नहीं आती है क्योंकि इसका मुख्य कारण अधिकारी का जाति विशेष का होना है तथा जाति विशेष का अधिकारी होने के नाते यह डॉ. अंबेडकर जी से इतनी नफरत करते

हैं कि डॉ अंबेडकर जी उनके सबसे बड़े दुश्मन हैं। इसलिए ही तो उन्होंने मंडल रोजगार कार्यालय हिसार में डॉक्टर अंबेडकर जी की तस्वीर या मूर्ति लगाने से परहेज रखा हुआ है।

सन 1942 में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी ने रोजगार कार्यालयों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उनके द्वारा स्थापित किए गए कार्यालयों में तो जाति विशेष के अधिकारी एवं कर्मचारी नौकर बनकर कार्य करने के लिए तो तैयार हैं लेकिन उनसे इसलिए द्वेष भावना रखते हैं कि उन्होंने हमेशा ही गरीबों, दबे-कुचलों, वंचितों को समानता का अधिकार देने का कार्य किया है।

सामाजिक एवं आरटीआई एक्टिविस्ट नरेश गुणपाल ने अधिकारी को पत्र भेजकर मूर्ति या प्रतिमा कार्यालयों में नां लगाने बाबत लिखित पत्र भेजकर पूछा।

हरियाणा के रोजगार कार्यालयों में जाति विशेष के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भरमार होने के कारण जाति विशेष के अधिकारी एवं कर्मचारी डॉ. अंबेडकर जी से इतनी नफरत रखते हैं कि वो जानबूझकर डॉ. अंबेडकर जी की तस्वीर या मूर्ति कार्यालय में इसलिए नहीं लगाना चाहते हैं कि डॉ. अंबेडकर ने तो समानता का अधिकार देकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग के लोगों को नौकरियों में आरक्षण दिया।

नरेश गुणपाल सामाजिक एवं आरटीआई एक्टिविस्ट

टाईम एवं डाइमेंशन की ज्यामितिय अभिव्यक्ति

मुख्य संवाददाता

त्रिकाल का विजुअल डिज़ाइन इल्युज़न, टेक्नो एवं साई-फाई आकर्षण से प्रेरित है, जो टाईम एवं मल्टीपल- डाइमेंशन्स के संयोजन के साथ बेहद स्टाइलिश प्रतीत होता है।

पैकेजिंग की कला अपने आप में बेहद कल्पनाशील है, जो बोल्ड ज्योमेट्रिक लाइनों, आकर्षक सिमिट्री और स्लीक मैटेलिक लुक के साथ आर्ट डेको एवं फ्युचुरिज़्म से प्रभावित है। यह मनुष्य की सोच और आर्टीफिशियल इंटेलीजेन्स के संयोजन का बेहतरीन उदाहरण है। फॉरहैड पर एक दूसरे से मिलती लाईनों के साथ सर्कुलर आकार बनाया गया है, जो मनमोहक मैकेनिकल डायल जैसा दिखता है। जिसे देखते ही आपके मन में कुछ ऐसा विचार आता है जैसे टाईम, कई डाइमेंशन्स में तरल की तरह बह रहा हो।

गहरा टरकॉइज़ ग्रीन कलर और मैटेलिक गोल्ड फॉयल आपको लक्ज़री का अहसास देते हैं, जैसे किसी कीमती रत्न को सोने में जड़ा गया हो। रिच टरकॉइज़ कलर भावी भव्यता का अनुभव देता है, वहीं चमकदार गोल्ड फॉयल अपनी अनूठी चमक के साथ इस पैकेजिंग को अपने आप में खास बना देते हैं। कुल मिलाकर यह पैकेजिंग हाई-टेक और प्रीमियम अहसास देगी। त्रिकाल- अतीत, वर्तमान और भविष्य का मिलन है- जिसे आर्टीफिशियल इंटेलीजेन्स के ज़रिए मानो एक साथ पेश किया गया है।

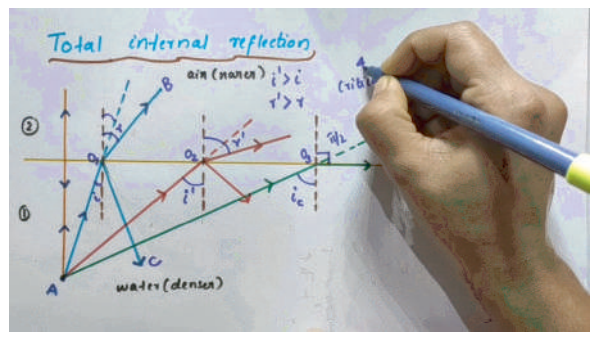

जिस तरह समय विभिन्न दिशाओं में बहता है, एआई इतिहास से सीखकर वर्तमान का अनुमान लगाता है और भविष्य को आकार देता है।

पैकेजिंग का ज्योमेट्रिक फेस इन तीनों का संयोजन है: इसकी लाइनें डेटा जैसी दिखती है, सिमिट्री-संतुलित एल्गोरिदम का अहसास कराती है और मैटेलिक चमक मशीन इंटेलीजेन्स के साथ लक्ज़री अनुभव प्रदान करती है।

विजुअल अपील से आगे बढें तो पाएंगे कि कैसे आर्टीफिशियल इंटेलीजेन्स अस्तित्व के बारे में हमारे समझ को नया आकार दे रही है। जिस तरह एक कलाकृति के लिए टाईम और स्पेस दोनों मायने रखते हैं, उसी तरह एआई वास्तविकता के बारे में हमारी सोच को बदल देता है- यह यादों को कैद कर, पैटर्न्स का अनुमान लगाकर मनुष्य के अनुभव को इस तरह सुरक्षित कर लेता है, जैसे हम कल्पना की शुरूआत कर रहे हैं।

यह पीस एक कलाकृति से कहीं बढ़कर है; यह ऐसे भविष्य की झलक पेश करता है, जहां टेक्नोलॉजी और मानवता का संयोजन होता है, जहां एआई न सिर्फ हमारी दुनिया का निरीक्षण करता है, बल्कि इसे एक बेहतर आकार भी देता है।

फेस मानव एवं आर्टीफिशियल इंटेलीजेन्स का संयोजन है। फॉरहैड पर मौजूद मैकेनिकल डायल कनेक्टेड और उभरते सिस्टम का प्रतीक है। ये एक साथ मिलकर त्रिकाल का सार प्रस्तुत करते हैं: टेक्नोलॉजी के ज़रिए अतीत, वर्तमान एवं भविष्य का मिलन।

त्रिकाल के आकर्षक पैकेजिंग का श्रेय क्यूज़ के संस्थापक एवं चीफ़ स्ट्रैटेजिस्ट कुनाल सहदेव को जाता है, जो इसके मुख्य डिज़ाइनर एवं क्रिएटिव पावरहाउस हैं। कुनाल ने अपनी प्रतिभा और अटूट समर्पण के साथ ग्लोबल क्लाइन्ट्स पर गहरी छाप छोड़ी है।

शार्प डिज़ाइन को लेकर उनकी सोच एवं संवेदनशीलता के चलते त्रिकाल को यह अनूठी पहचान मिली है, जो बेहद स्पष्टता और भव्यता के साथ इसके प्रयोजन को उजागर करती है।

झारखंड मुख्यमंत्री ने नीति आयोग की बैठक में अपना विचार व सुझाव से प्रधानमंत्री को दी जानकारी

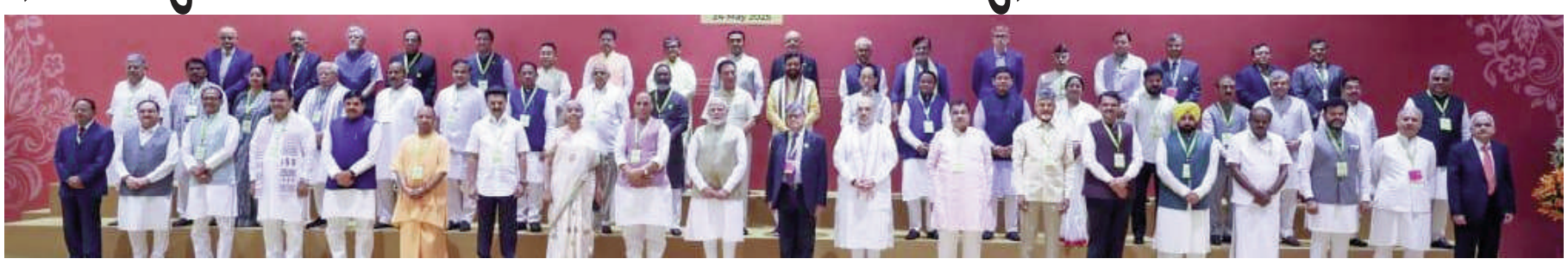

- 50 लाख महिलाओं को प्रतिमाह रू 2500/- दे रही झारखंड सरकार
- खनन पश्चात कंपनियों को भूमि राज्य सरकार को पुनः वापस देने का प्रावधान हो
- सी एस आर, डी एम एफ टी फंड राज्य सरकार प्रथमिकता में उपयोग हो

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की 10 वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में झारखंड का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने विचारों को रखने के साथ कई सुझाव दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना विकसित राज्य से होती है, जिसमें विकसित गांव को जोड़ना सबसे जरूरी है। विकसित भारत की मूल परिकल्पना का केंद्र बिंदु गरीबी उन्मूलन, महिला सशक्तिकरण, युवा कौशल, किसानों के विकास, पूर्ण शिक्षा, आर्थिक, आधारभूत संरचना एवं तकनीकी विकास के क्षेत्र में सतत विकास जारी है। नीति आयोग की इस बैठक में मुख्यमंत्री ने झारखंड राज्य की जनता की आवश्यकताओं से प्रधानमंत्री को अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने नीति आयोग की बैठक में कहा कि झारखंड राज्य सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए लगभग 50 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपए की राशि प्रदान कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में खनिज और कोयले के साथ साथ अन्य खनिजों की बहुतायत है। जिनके खनन में प्रदूषण और विस्थापन एक बहुत बड़ा कारक रहा है। खनन कंपनियों द्वारा ली गई भूमि जो कि (नॉन पेमेंट ऑफ लैंड कम्पनशेशन) में आती है उनका एक लाख चालीस हजार चार सौ पैंतीस करोड़ रुपए बकाया है, जिसको यथाशीघ्र मुहैया कराया जाए और सी बी ए एक्ट में संशोधन कर खनन पश्चात कंपनियों को भूमि राज्य सरकार को पुनः वापस देने का प्रावधान किया जाए। राज्य में अनाधिकृत खनन के लिए कम्पनियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। राज्य में कोल बेस्ड मीथेन गैस की बहुतायत है, जिसका तकनीकी रुप से इस्तेमाल कर ऊर्जा उत्पादन में प्रयोग किया जा सकता है। इसके साथ ही राज्य में खनन कंपनियों को कैप्टिव प्लांट लगाने की अनिवार्यता होनी चाहिए और कुल उत्पादन का 30 प्रतिशत राज्य में इस्तेमाल होने से रोजगार सृजन में भी वृद्धि होगी। प्रदेश का वन क्षेत्र पूर्वोत्तर राज्यों के समकक्ष है, जिससे आधारभूत संरचना के लिए क्लियरेंस में देरी अवरोध बनती है, जिसका निवारण किया जाए और पूर्वोत्तर राज्यों को मिलने वाली विशेष सहायता झारखंड को भी प्रदान कराई जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में रेल परिचालन विस्तृत की जाए और कंपनियों के सी एस आर फंड और डी एम एफ टी फंड को राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में समाहित किया जाए। प्रदेश का साहेबगंज जिला कार्गो हब की दृष्टि से बहुत ही कारगर सिद्ध हो सकता है जो सीमावर्ती राज्यों को भी सुविधा प्रदान करेगा। इसी जिले में गंगा नदी पर अतिरिक्त पुल का निर्माण या उच्च स्तरीय बांध बनाना भी महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने नीति आयोग को बताया कि झारखंड सरकार सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी कई योजनाएं बनाई है जिसमें पेंशन योजना, मइयां सम्मान योजना, अबुआ स्वास्थ्य योजना, आदि प्रमुख है। मुख्यमंत्री ने इस सिलसिले में केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के मानदंड में कुछ बदलाव की आवश्यकता की बात कही। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार 25 लाख परिवारों को 5 किलोग्राम चावल प्रतिमाह, आयुष्मान योजना से वंचित 28 लाख परिवारों को 5 लाख का स्वास्थ्य बीमा, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से वंचित 38 लाख गरीब परिवारों को 15 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारी सरकार जिलावार हेल्थ प्रोफाइल तैयार कर रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जाना चाहिए, जिससे प्रखंड, अनुमंडल और जिला स्तर पर स्वास्थ सेवाएं मजबूत हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उग्रवाद की समस्या से निवारण के लिए सी ए पी एफ की प्रतिनियुक्ति से संबंधित प्रतिधारण शुल्क राज्य सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है, जिसे सहकारी संघवाद के सिद्धांत के तहत पूर्ण रूप से खत्म करने की आवश्यता है। नक्सल समस्या पर प्रकाश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में राज्य के 16 जिले इससे प्रभावित थे जो कि अब 2 जिलों पश्चिमी सिंहभूम एवं लातेहार तक सिमट गया है। फिर भी विशेष केंद्रीय सहायता को सभी 16 जिले में लागू रखने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड जैसी महामारी में विषम परिस्थिति उत्पन्न हुई जिससे प्रदेश के मजदूर राज्य के बाहर काम करते थे उनको सहायता राज्य सरकार से प्रदान कराई गई।

मुख्यमंत्री ने नीति आयोग की बैठक में कहा कि 16 वें वित्त आयोग द्वारा संघीय व्यवस्था में केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच राजस्व के बंटवारे के संदर्भ में आवश्यक प्रक्रिया बनाई गई है। राजस्व के वर्टिकल डेवल्यूशन 41% से करते हुए 50% होने की आवश्यकता है। वर्तमान में विभाज्य पूल का आकलन केंद्र सरकार द्वारा वसूला जाता है। सभी उपकर, अधिभार को घटाते हुए यह किया जाता है। इसका कोई अंश विभाज्य पूल में सम्मिलित नहीं होता है। वर्ष 2017 से जी एस टी अधिनियम लागू होने के उपरांत झारखंड जैसे विनिर्माता राज्य के लिए पूर्व के वैट से राजस्व संग्रहण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

हाईवे किनारे में खंती में मिला ई-रिक्शा चालक का गला कटा हुआ शव

ई रिक्शा चालक की गला काटकर हत्या से क्षेत्र में फैली सनसनी, दहशत का माहौल

सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा

सिविल लाइन थाना क्षेत्र के बदायूं दातागंज हाईवे पर आमगांव के पास की घटना।

सोरेन सरकार की रू 10 मे घोती -साड़ी ग़रीब को नहीं, बाजार में : बाबूलाल मरांडी

कार्रवाई नहीं हुई तो ईडी /सीबीआई तक जायेगा मामला

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

रांची, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि सोना सोबरन धोती-साड़ी योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है. उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को लिखा कि झारखंड सरकार ने गरीबों को 10 रुपये में धोती-साड़ी देने की योजना बनायी थी, लेकिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार इसे गरीबों तक पहुंचाने के बजाय दलालों के माध्यम से खुले बाजार में बेच रही है।

बाबूलाल ने आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन ने इस योजना को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया और जनता को भ्रमित किया, लेकिन असलियत में सरकारी बजट से खरीदे गए कपड़े खुले बाजार में बेचकर अपनी जेबें भर रही हैं. उन्होंने बताया कि इन धोती-साड़ियों पर साफ लिखा है कि यह धोती विशेष रूप से झारखंड सरकार के लिए बनी है और यह बेचने के लिए नहीं है. बावजूद इसके यह खुलेआम बाजार में मिल रही है

भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि वे अपने 'दिहाड़ी डीजीपी' को निर्देश दें ताकि एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) तुरंत भ्रष्टाचार में शामिल छोटे-मोटे बिचौलियों की गिरफ्तारी करे. बाबूलाल मरांडी ने चेतावनी भी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो ईडी और सीबीआई की एंट्री हो सकती है. अगर ऐसा हुआ तो आप मुंह छिपाकर भागते फिरेंगे.

मिस वर्ल्ड 2025: एक विवाद, जो सौंदर्य को नए अर्थ देता है

हैदराबाद की चमकती रातें, जहां सितारों की तरह जगमगाती प्रतिभाएं मिस वर्ल्ड 2025 के मंच पर अपनी छटा बिखेर रही हैं, इस साल एक अनोखे तूफान का गवाह बन रही हैं। यह आयोजन, जो सौंदर्य, बुद्धिमत्ता और सामाजिक बदलाव का प्रतीक है, केवल ताज और ग्लैमर का उत्सव नहीं, बल्कि महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके सपनों को पंख देने का मंच है। लेकिन इस बार, एक साहसिक आवाज ने इस चमक को चुनौती दी है। मिस इंग्लैंड 2024 की विजेता मिला मैगी के गंभीर आरोपों ने न केवल आयोजन की पारदर्शिता पर सवाल उठाए, बल्कि यह सोचने पर मजबूर किया कि क्या सौंदर्य प्रतियोगिताएं आधुनिक युग में अपनी प्रासंगिकता और उद्देश्य को बरकरार रख पा रही हैं। फिर भी, इस विवाद ने एक नई रोशनी दिखाई है—पारदर्शिता, जवाबदेही और सशक्तिकरण की दिशा में एक सकारात्मक बदलाव की उम्मीद। 7 मई 2025 को हैदराबाद पहुंचीं मिला मैगी ने मिस वर्ल्ड के मंच पर न केवल अपने देश, बल्कि सामाजिक बदलाव का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखा था। लेकिन 16 मई को, मात्र नौ दिन बाद, उन्होंने प्रतियोगिता छोड़ दी। ब्रिटिश टैबलॉयड 'द सन' को दिए सनसनीखेज इंटरव्यू में मैगी ने आयोजकों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, "मैं बदलाव की मिसाल बनने गई थी, लेकिन मुझे ऐसा महसूस कराया गया जैसे मैं एक वेश्या हूं। हमें अमीर स्पॉन्सर्स के सामने प्रदर्शन के लिए रखा गया। हर टेबल पर हमें मेहमानों का मनोरंजन करने को कहा गया।" मैगी ने आयोजन को "पुराने जमाने की सोच" में फंसा हुआ बताया और कहा कि यह उनकी नैतिकता के खिलाफ था। उन्होंने खुलासा किया कि वह सामाजिक मुद्दों पर अपनी आवाज उठाना चाहती थीं, लेकिन वहां मौजूद मेहमानों की असंबंधित बातों ने उन्हें असहज कर दिया। अपनी मां से फोन पर अपनी तकलीफ साझा करने के बाद, उन्होंने प्रतियोगिता छोड़ने का साहसिक फैसला लिया।

मैगी के इन बयानों ने आयोजन की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए और एक वैश्विक बहस को जन्म दिया। क्या सौंदर्य प्रतियोगिताएं वाकई महिलाओं को सशक्त बनाने का मंच हैं, या ये केवल सतही चमक-दमक तक सीमित हैं? मैगी का मानना है कि "मिस वर्ल्ड जैसी प्रतियोगिताओं का दौर खत्म हो चुका है। ताज और सैश से पहले अपनी आवाज उठाना जरूरी है।" उनके इस कदम ने न केवल आयोजकों को जवाबदेही के लिए मजबूर किया, बल्कि यह भी दिखाया कि सामूहिक आवाजें पुरानी परंपराओं को चुनौती दे सकती हैं। विवाद के बाद तेलंगाना सरकार ने त्वरित और निर्णायक कार्रवाई की। एक उच्चस्तरीय जांच समिति गठित की गई, जो आयोजन में किसी भी अनुचित व्यवहार या असुविधा की सत्यता की पड़ताल कर रही है। अन्य प्रतिभागियों से पूछताछ और तथ्यों की गहन जांच के जरिए यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सच्चाई सामने आए। यह कदम न केवल आयोजन की पारदर्शिता को मजबूत करता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि महिलाओं की गरिमा और सम्मान के प्रति कोई समझौता नहीं होगा।

मिस वर्ल्ड आयोजकों ने मैगी के आरोपों का खंडन करते हुए एक आधिकारिक बयान जारी किया। उन्होंने दावा किया कि मैगी ने निजी कारणों से, विशेष रूप से अपनी मां की खराब तबीयत के चलते, प्रतियोगिता छोड़ने का अनुरोध किया था, जिसे तुरंत स्वीकार कर उनकी वापसी की व्यवस्था की गई। आयोजकों ने एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें मैगी यह कहती नजर आ रही हैं कि "यहां सब कुछ ठीक है" और उन्होंने आयोजकों का आभार जताया। उनके मुताबिक, मैगी केवल एक सरकारी डिनर में शामिल हुई थीं, जो हैदराबाद के चौमहल्ला पैलेस में आयोजित हुआ था। इस वीडियो में मैगी जिस टेबल पर बैठी थीं, वहां ज्यादातर महिलाएं थीं और केवल एक पुरुष दिखाई दे रहा था। आयोजकों ने जोर देकर कहा कि मिस वर्ल्ड 'ब्यूटी विद ए पर्पज़' जैसे मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध है, जो न केवल सौंदर्य, बल्कि सामाजिक बदलाव और सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है।

'ब्यूटी विद ए पर्पज़' मिस वर्ल्ड का मूल दर्शन है, जो प्रतिभागियों को सामाजिक मुद्दों पर काम करने और दुनिया में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करता है। अतीत में इस मंच ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और लैंगिक समानता जैसे मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने वाली कई महिलाओं को सामने लाया है। उदाहरण के लिए, पूर्व मिस वर्ल्ड विजेताओं ने बाल शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और मानसिक स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। मैगी के आरोपों ने इस दर्शन पर सवाल उठाए, लेकिन आयोजकों की प्रतिक्रिया और सरकार की जांच इस मंच को और अधिक विश्वसनीय और समावेशी बनाने की दिशा में एक कदम हो सकती है।

प्रारंभिक जांच में मैगी के आरोपों के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं मिला है, लेकिन जांच अभी जारी है। यह प्रक्रिया न केवल सच्चाई को उजागर करेगी, बल्कि भविष्य में ऐसे आयोजनों को और अधिक पारदर्शी और सम्मानजनक बनाने के लिए दिशानिर्देश भी स्थापित कर सकती है। मैगी के स्थान पर मिस इंग्लैंड की रनर-अप अब प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही हैं, और 31 मई को होने वाला फिनाले न केवल एक नई मिस वर्ल्ड का ताज पहनाएगा, बल्कि यह भी साबित करेगा कि यह मंच विवादों के साये से उबरकर अपनी साख को बरकरार रख सकता है।

यह विवाद केवल एक घटना नहीं, बल्कि एक अवसर है। यह हमें यह सोचने का मौका देता है कि सौंदर्य प्रतियोगिताएं आधुनिक युग में कैसे प्रासंगिक रह सकती हैं। यह आयोजन केवल चमक-दमक का मंच नहीं, बल्कि उन महिलाओं की आवाज है, जो अपनी बुद्धिमत्ता, साहस और सामाजिक योगदान से दुनिया को बदलना चाहती हैं। मैगी का साहसिक कदम, भले ही विवादास्पद हो, ने एक ऐसी बहस को जन्म दिया है, जो सौंदर्य प्रतियोगिताओं को और अधिक उद्देश्यपूर्ण और समावेशी बनाने की दिशा में ले जा सकती है।

जैसे-जैसे हैदराबाद की रातें मिस वर्ल्ड 2025 के फिनाले की ओर बढ़ रही हैं, यह मंच एक नई कहानी लिखने को तैयार है। यह कहानी न केवल सौंदर्य की, बल्कि साहस, सत्य और सशक्तिकरण की है। मिला मैगी की आवाज ने हमें याद दिलाया कि सच्ची सुंदरता चेहरों में नहीं, बल्कि विचारों, कार्यों और बदलाव की हिम्मत में निहित होती है। यह आयोजन अब केवल एक ताज का उत्सव नहीं, बल्कि एक ऐसी दुनिया का सपना है, जहां हर महिला अपनी आवाज को बिना डर के बुलंद कर सके। मिस वर्ल्ड 2025 का मंच इस सपने को हकीकत में बदलने की दिशा में एक कदम और बढ़ा सकता है—एक ऐसी दुनिया की ओर, जहां सौंदर्य और उद्देश्य एक साथ चमकते हैं।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत", बड़वानी (मप्र)

बाद मुद्दत के मिले हो ज़रा मुस्कुरा ही दो,

खताएं क्या है मेरी कभी बता भी दो,
जो भी लगाना हो इल्ज़ाम लगा ही दो,

तुम मेरे हो नहीं सकते कोई बात नहीं,
मेरी छोड़ो दिल से मेरी यादें मिटा ही दो,

खुलेंगे राज़ तो आएंगे इस जग में कई,
पर्दा गिरा है अगर उसे गिरा ही रहने दो,

गम ये नहीं कि तुम ने हमसे बेवफ़ाई की,
बाद मुद्दत के मिले हो ज़रा मुस्कुरा ही दो,

दोस्त पुराने किस्मत से मिल गए हैं आज,
किस्साये मुहब्बत तुम मुश्ताक सुनाई दो,

डॉ. मुश्ताक अहमद शाह "सहज़"
हरदा मध्यप्रदेश

तीस हजार घन फीट अवैध बालू सरायकेला खनन विभाग ने किया बरामद

झारखंड -बंगाल सीमा पर तबाड़तोड़ छापे

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड- झारखंड

सरायकेला। झारखंड के एक ईमानदार अधिकारी संप्रति डी एम सरायकेला -खरसावां रवि शंकर शुक्ला के निदेशानुसार शुक्रवार को झारखंड बंगाल के सीमावर्ती तिरुलडीह थाना अंतर्गत विभिन्न स्थानों में अवैध बालू भंडारण/परिवहन को लेकर मिले शिकायत के आलोक में जिला खनन विभाग के तेजतर्रार खनन इनिस्पेक्टर एवं जिला खनन अधिकारी ज्योति शंकर सतपथी ने जोरदार छापे मारे। जहां तीस हजार सी एफ टी अवैध बालू बरामद हुआ। तिरुलडीह थाना प्रभारी के नेतृत्व में तिरूलडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न स्थानों में औचक निरीक्षण किया गया। इसी क्रम में तिरूलडीह थाना अंतर्गत चौड़ा पंचायत में अलग अलग स्थानों तथा जंगली क्षेत्रों में बालू खनिज के अवैध भंडारण के विरुद्ध करवाई करते हुए टीम ने लगभग 30,000 घनफीट अवैध बालू भंडारण को जब्त किया। इस मामले में जमीन मालिक एवं अन्य संलिप्त लोगों पर शिकायतवाद के तहत अग्रेत्तर करवाई की जा रही है।

कानपुर में करोड़ों लेकर सरकारी जमीन पर बनवा दिया बिल्डर का होटल, मुख्यमंत्री से कार्रवाई की मांग

- मेडिकल कॉलेज की बताई जा रही करोड़ों की जमीन, चर्चा में प्राचार्य

सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां के जीटी रोड स्थित करोड़ों की जमीन पर बिल्डर का अवैध रूप आलीशान होटल बनवा दिया गया। इसके लिए 11 करोड रुपए खर्च किए जाने के लिए चर्चा है। मामले में मुख्यमंत्री से कार्रवाई की भी मांग की गई है।

अब तक मिली जानकारी के मुताबिक यह जमीन जीएस वी एम मेडिकल कॉलेज की बताई जाती है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक आर्थिक लाभ के लिए जनहित के खिलाफ भ्रष्टाचार का अक्षम्य अपराध मात्र कुछ के लिए नहीं बल्कि करोड़ों के लाभ में सफलता से जुड़ा है और जब कोई लाभ करोड़ों से जुड़ा होता है तो यह सब किसी एक के बस की बात नहीं होती। और लोग सहयोग भी तभी प्रदान करते हैं, जब उन्हें इसमें अपना भी बड़ा फायदा होने वाला होता है।

कुल मिलाकर मेडिकल कॉलेज की करोड़ों की बताई जाने वाली सरकारी जमीन पर एक प्रभावशाली बिल्डर द्वारा बड़े होटल का निर्माण चर्चा का विषय बना हुआ है ,जिसका केंद्र बिंदु बताए जाते हैं, मेडिकल कॉलेज के एक बड़े पदाधिकारी।

विभागीय सूत्रों का दावा है कि लगभग 11 करोड़ लेकर करोड़ों की सरकारी जमीन पर बिल्डर का कब्जा करवा कर उसका होटल बनवाने में मेडिकल कॉलेज के इस बड़े पदाधिकारी ने चालाकी पूर्ण गुल खिलाया है।अगर महाभारत के संजय की नजर से देखा जाए तो उससे यही साबित होता है कि इस चर्चित आर्थिक भ्रष्टाचार की दाल में काला ही काला है।

सूत्र इस मामले में जांच के भी शुरू होने का दावा करते हैं। इसी क्रम में मेडिकल कॉलेज की जमीन पर होटल निर्माण और उसके संचालन को भी लेकर अनेक सवाल चर्चा का विषय बने हुए हैं। मसलन जब जमीन जीएसबीएम मेडिकल कॉलेज की है तो उस पर होटल का निर्माण का निर्माण कैसे हो गया ? मेडिकल कॉलेज की जमीन को इस तरह के अवैध कब्जे से बचाने की जिम्मेदारी किसकी थी ? उसने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन क्यों नहीं किया ? क्या मेडिकल कॉलेज की जमीन पर होटल का निर्माण कराने में उस जिम्मेदार बड़े पदाधिकारी की भी मिली भगत है। अगर नहीं तो उसने मेडिकल कॉलेज की जमीन पर होटल निर्माण करने वालों के खिलाफ एफ आई दर्ज क्यों नहीं कराई ? मुख्यमंत्री और संबंधित विभाग के जिम्मेदार बड़े अधिकारियों को अवगत क्यों नहीं कराया ? और अगर अवगत कराया तो फिर अवैध होटल निर्माण को ध्वस्त करके मेडिकल कॉलेज की जमीन को अब तक अवैध कब्जे से मुक्त क्यों नहीं कराया गया ? अगर मेडिकल कॉलेज की जमीन पर अवैध रूप से होटल निर्माण में अन्य प्रभावशाली लोगों की भी मिली भगत है तो उनके भी चेहरे अब तक बेनकाब क्यों नहीं किए गए ? अगर उन्होंने मेडिकल कॉलेज की जमीन पर अवैध रूप से होटल निर्माण में कथित बिल्डर का सहयोग किया तो निः शुल्क किया या फिर कुछ लेकर। अगर निःशुल्क सहयोग किया तो क्यों किया और अगर पैसा लेकर किया तो फिर कितना लिया ?

जानकार सूत्रों की माने तो यहां मेडिकल कॉलेज की जिस वेश कीमती जमीन की चर्चा की जा रही है। उसके लिए 15 - 20 करोड रुपए तो कोई भी बड़ी आसानी से खर्च कर देगा तो फिर होटल निर्माण और उसके संचालन में भी सफलता प्राप्त करने वाले ने कितना खर्च किया ? और इसमें शामिल अन्य लोगों को भी कितना कितना आर्थिक लाभ मिला ? जनहित के महत्वपूर्ण पदों पर बैठे अधिकारियों या फिर राजनीति से जुड़े प्रभावशाली लोगों ने और भी अपने निहित आर्थिक स्वार्थ के लिए मेडिकल कॉलेज की जमीन पर होटल बनवाने जैसे और भी क्या-क्या गुल खिलाए हैं ? भ्रष्टाचार के इन हथकंडों के फलस्वरूप ऐसे लोगों की नामी - बेनामी चल - अचल संपत्ति दुकानों ,मकानों, भूखंडों जेवरातों या फिर छदम नामों से बैंक बैलेंस के रूप में भी कितने करोड़ की हो चुकी है या फिर है ?

जानकार विभागीय सूत्रों के दावे के मुताबिक अगर मामला मेडिकल कॉलेज की जमीन से जुड़ा हुआ है तो इस तरह के तमाम सवालों के जवाब प्राचार्य डॉक्टर संजय काला के अलावा और कौन दे सकता है ?

वहीं दूसरी ओर मेडिकल कॉलेज की जमीन पर अवैध रूप से होटल निर्माण के चर्चित मामले से अवगत पार्टी और जनता के हित में किए गए अनगिनत कार्यों और आंदोलनों को लेकर चर्चा में रहे भाजपा पार्षद दल के तेजतर्रार व्यवहार कुशल और जुझारू नेता नवीन पंडित ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच करा कर दोषी जनों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई किए जाने की जोरदार मांग भी की है। उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर जरूरत पड़ी तो जनहित में इस भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई होने तक आंदोलन भी किया जाएगा।

इसी तरह से जीटी रोड स्थित इस जमीन पर करोड़ों की रिश्वत लेकर बिल्डर का लेकर होटल बनवाने के खिलाफ जन अधिकार समिति के अध्यक्ष राम सिंह ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस पूरे मामले की जांच की मांग की है लेकिन क्या वास्तव में ऐसा कुछ हो पाएगा या फिर कोई ना कोई हथकंडा दोषियों के पक्ष में सफलता दिलाएगा। यह आने वाला वक्त ही बताएगा।

जल संरक्षण, भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण क़दम, मतवपूर्ण चिंतन

जल जीवन के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है। जल के बिना जीवन संभव नहीं है, और जल की कमी से कई समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। जल संरक्षण एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जिस पर हमें ध्यान देने की आवश्यकता है।जल संरक्षण की आवश्यकता बहुत ही महत्वपूर्ण है।जल संरक्षण की आवश्यकता कई कारणों से है।जल की कमी एक गंभीर समस्या है जो कई क्षेत्रों में देखी जा रही है। जल की कमी से कृषि, उद्योग, और घरेलू उपयोग पर प्रभाव पड़ता है।जल प्रदूषण एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा है जो जल संसाधनों को प्रभावित करता है। जल प्रदूषण से जल की गुणवत्ता ख़राब होती है और इससे कई स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

जल संरक्षण के लिए कई क़दम उठाए जा सकते हैं,जल संचयन एक महत्वपूर्ण क़दम है जो जल संसाधनों को संरक्षित करने में मदद करता है। जल संचयन के लिए वर्षा जल संचयन और जल संचयन टैंकों का उपयोग किया जा सकता है।जल उपयोग में बचत करना एक अन्य महत्वपूर्ण क़दम है। जल उपयोग में बचत करने के लिए हम जल की बचत करने वाले उपकरणों का उपयोग कर सकते हैं और जल की बर्बादी को रोक सकते हैं।

जल प्रदूषण नियंत्रण एक महत्वपूर्ण क़दम है जो जल संसाधनों को संरक्षित करने में मदद करता है। जल प्रदूषण नियंत्रण के लिए हम जल प्रदूषण को रोकने वाले उपायों का उपयोग कर सकते हैं।

सरकार की सहभागिता जल संरक्षण में बहुत महत्वपूर्ण है। सरकार जल संरक्षण के लिए कई क़दम उठा सकती है,सरकार जल नीति बना सकती है जो जल संसाधनों के संरक्षण और उपयोग को नियंत्रित करती है।सरकार जल संरक्षण कार्यक्रम चला सकती है जो जल संसाधनों के संरक्षण और उपयोग को बढ़ावा देते हैं।सरकार जल प्रदूषण नियंत्रण के लिए कई क़दम उठा सकती है, जैसे कि जल प्रदूषण को रोकने वाले नियमों का निर्माण और उनका पालन करवाना।

जल संरक्षण एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जिस पर हमें ध्यान देने की आवश्यकता है। जल संरक्षण के लिए कई क़दम उठाए जा सकते हैं, जैसे कि जल संचयन, जल उपयोग में बचत, और जल प्रदूषण नियंत्रण। सरकार की सहभागिता जल संरक्षण में बहुत महत्वपूर्ण है, अगर हम जल संरक्षण के लिए एकजुट होकर काम करें, तो हम जल संसाधनों को संरक्षित कर सकते हैं और भविष्य के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ जीवन बना सकते हैं।

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह सहज़
हरदा मध्य प्रदेश।

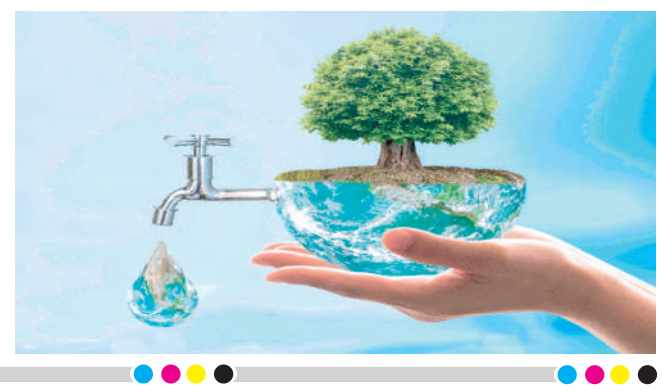

दिशा पटानी ने पिता को गिफ्ट की टोयोटा इनोवा क्रिस्टा, जानें क्या है प्रीमियम एमपीवी की कीमत

परिवहन विशेष न्यूज

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने अपने पिता को टोयोटा इनोवा क्रिस्टा गिफ्ट की है जो एक प्रीमियम MPV है। यह गाड़ी अपने आरामदायक सफर और सेफ्टी फीचर्स के लिए जानी जाती है। इसमें 2.4-लीटर का डीजल इंजन है जो 150 hp की पावर देता है। इनोवा क्रिस्टा में 7 एयरबैग्स ABS और EBD जैसे सेफ्टी फीचर्स भी हैं। इस गाड़ी की कीमत 18.09 लाख रुपये से शुरू होती है।

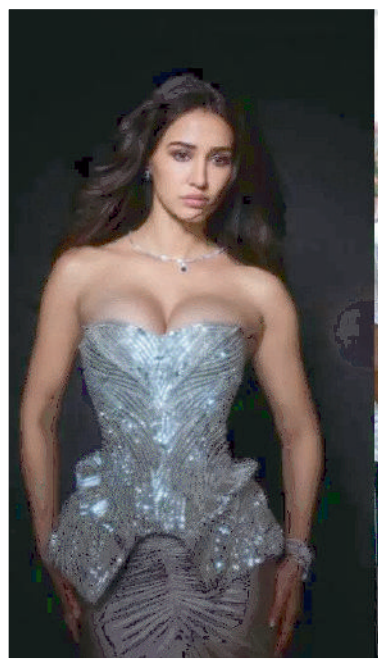

नई दिल्ली। बॉलीवुड की एक्ट्रेस दिशा पाटनी (Disha Patani) ने अपने पिता को एक शानदार तोहफा दिया है। यह तोहफा कुछ और नहीं बल्कि प्रीमियम MPV Toyota Innova Crysta है। यह उन लोगों की सबसे पसंदीदा गाड़ी है, जो प्रीमियम फैमिली कार खरीदना चाहते हैं। यह कई बेहतरीन फीचर्स और दमदार इंजन के साथ आती है, जिसकी वजह बहुत से लोगों का इसे खरीदने का सपना होता है। आइए जानते हैं कि दिशा पाटनी ने अपने पिता के लिए आखिरकार टोयोटा इनोवा क्रिस्टा को ही क्यों चुना और यह किन बेहतरीन फीचर्स के साथ आती है।

पिता के लिए Innova Crysta क्यों चुना?

Toyota Innova Crysta कई बेहतरीन फीचर्स के साथ आती है, जिसकी वजह से दिशा पाटनी ने अपने पिता के लिए टोयोटा इनोवा क्रिस्टा को चुना। इसमें उनके पिता को आरामदायक सफर के साथ ही भरपूर सेफ्टी भी मिलेगी। वहीं, इसे प्रीमियम फैमिली कार भी कहा जाता है और यह इसके लिए काफी पॉपुलर भी है।

Toyota Innova Crysta के फीचर्स

टोयोटा इनोवा क्रिस्टा भारत में MPV सेगमेंट की सबसे भरोसेमंद गाड़ियों में से एक है। इसमें शानदार परफॉर्मेंस और फैमिली-फ्रेंडली फीचर्स मिलते हैं। इसमें 2.4-लीटर टर्बो डीजल इंजन दिया गया है, जो 150 hp पावर और 343 Nm टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 7 या 8-सीटर कॉन्फिगरेशन, रियर AC वेंट्स, और प्रीमियम इंटीरियर दिया गया है, जिसकी वजह से यह फैमिली ट्रिप को आरामदायक बना देती है। इसके साथ ही यह 8-इंच टचस्क्रीन, रियर पार्किंग कैमरा और कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी जैसे फीचर्स के साथ आती है। इसमें पैसेंजर्स की सेफ्टी के लिए 7 एयरबैग्स, ABS, EBD, और व्हीकल स्टेबिलिटी कंट्रोल जैसी सुविधाएं दी जाती है।

कितनी है कीमत?

Toyota Innova Crysta को भारतीय बाजार में 18.09 लाख रुपये से लेकर 23.83 लाख रुपये की एक्स-शोरूम के बीट ऑफर किया जाता है। भारत में इनोवा क्रिस्टा का मुकाबला Kia Carens, Maruti XL6 और Mahindra XUV700 जैसी प्रीमियम MPV से देखने के लिए मिलता है।

जून में लॉन्च होगी मर्सिडीज बेंज AMG G63 कलेक्टर संस्करण, जानें कितना दमदार होगा इंजन और कैसे होंगे फीचर्स

परिवहन विशेष न्यूज

जर्मनी की प्रमुख वाहन निर्माताओं में शामिल मर्सिडीज बेंज भारत में कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री करती है। निर्माता की ओर से जानकारी दी गई है कि वह जल्द ही Mercedes Benz AMG G63 Collector Edition लॉन्च करेगी। इसमें किस तरह के बदलाव किए जा सकते हैं। कितना दमदार इंजन दिया जा सकता है। किस कीमत पर इसे लॉन्च किया जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। जर्मनी की वाहन निर्माता Mercedes Benz की ओर से कई बेहतरीन कारों और एसयूवी को भारतीय बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। निर्माता की ओर से जल्द ही नई एसयूवी के तौर पर Mercedes Benz AMG G63 के खास एडिशन को लॉन्च किया जाएगा। कब तक इस एडिशन को लॉन्च किया जाएगा। इसमें किस तरह के फीचर्स और इंजन को दिया जा सकता है। किस कीमत पर इसे लॉन्च किया जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Mercedes Benz लॉन्च करेगी खास एडिशन

मर्सिडीज बेंज की ओर से भारतीय बाजार में जल्द ही दमदार एसयूवी Mercedes Benz AMG G63 के Collector Edition को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। निर्माता की ओर से इसकी जानकारी दी गई है।

क्या होगी खासियत

मर्सिडीज बेंज के कलेक्टर एडिशन एएमजी जी-63 में ज्यादा बदलाव कॉस्मैटिक होंगे। जिसमें गाड़ी के एक्सटीरियर, इंटीरियर में देखा जा सकेगा। इसके साथ ही इसे खरीदने वाले अपनी पसंद के रंग का चुनाव भी कर पाएंगे।

कितना दमदार इंजन

एसयूवी के कलेक्टर एडिशन में भी चार लीटर की क्षमता का ट्विन टर्बो वी8 इंजन दिया जाएगा। जिसके साथ 48 वोल्ट की माइल्ड हाइब्रिड तकनीक भी मिलेगी। इस इंजन से एसयूवी को 585 एचपी की पावर और 850 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलेगा। इसके साथ नौ स्पीड डीसीटी ट्रांसमिशन को दिया जाएगा।

कैसे होंगे फीचर्स

कलेक्टर एडिशन में कई बेहतरीन फीचर्स को भी ऑफर किया जाएगा। इसमें MBUX NTG7 के साथ इंफोटेनमेंट सिस्टम, नापा लेदर, कस्टमाइज्ड एंबिएंट लाइट्स, 31 अपहोल्स्ट्री विकल्प, 29 पेंट स्कीम विकल्प, 12.3 इंच ड्राइवर और मल्टीमीडिया टचकंट्रोल डिस्प्ले, वायरलैस एंड्राइड ऑटो, एपल कार प्ले, टाइप सी पोर्ट, 18 स्पीकर्स के साथ बरमेस्टर का थ्री डी सराउंड साउंड सिस्टम जैसे फीचर्स दिए जा सकते हैं। इनके अलावा एसयूवी में सेफ्टी के लिए ADAS, 360 डिग्री कैमरा, ब्रेक असिस्ट, लेन कीप असिस्ट, टायर प्रैशर मॉनिटरिंग जैसे फीचर्स दिए जा सकते हैं।

कब होगी लॉन्च

Mercedes Benz AMG G63 Collector Edition को औपचारिक तौर पर भारतीय बाजार में 12 जून को लॉन्च किया जाएगा। इस बात की भी संभावना है कि निर्माता की ओर से इस एडिशन की सिर्फ कुछ ही यूनिट्स को बाजार में ऑफर किया जाएगा।

कितनी होगी कीमत

लॉन्च के समय ही इस गाड़ी के खास एडिशन की कीमत को सार्वजनिक किया जाएगा। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि इसे 3.5 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की एक्स शोरूम कीमत पर भारतीय बाजार में लॉन्च किया जा सकता है।

इन 5 हैचबैक के सामने दिग्गज एसयूवी भी भरती हैं पानी, इंजन पैदा करता है 415 bhp तक का

भारत में कई ऐसी हैचबैक कारें मौजूद हैं जो पावर और परफॉर्मेंस के मामले में कई दिग्गज एसयूवी को भी पीछे छोड़ सकती हैं। यहां हम 5 ऐसी ही हैचबैक कारों के बारे में बता रहे हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। भारत में एसयूवी की लोकप्रियता काफी तेजी से बढ़ी है। हालात ये हैं कि कारों की कुल सेल में अब एसयूवी 50 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी रखती हैं। इसी बीच हैचबैक की लोकप्रियता में कमी आई है। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता ने भी एसयूवी की डिमांड बढ़ने और हैचबैक की सेल्स गिरने की बात कही है। हालांकि, अब भी बाजार के एक वर्ग के लिए हैचबैक उनकी पहली पसंद बनी हुई है। एक हैचबैक के अपने भी कई फायदे हैं। हैचबैक में एसयूवी के मुकाबले अधिक माइलेज मिलती है, तो वहीं कम साइज के चलते इसे पार्क करना भी आसान होता है। कंपनियों ने भी हैचबैक में समय के साथ कई बदलाव किए हैं और इसे परफॉर्मेंस पसंद करने वाले ग्राहकों के लिए खास बना दिया है। कुछ तो हैचबैक ऐसी हैं जो एक एसयूवी से भी ज्यादा पावर जनरेट करती हैं। आइए जानते हैं देश में बिकने वाली कुछ सबसे पॉवरफुल हैचबैक कारों के बारे में...

Mercedes-AMG A45 S

Mercedes-AMG A45 S एक लग्जरी हैचबैक है जो परफॉर्मेंस के मामले में सुपरकार को टक्कर देती है। इसमें 2.0 लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन दिया गया है जो 421 PS की पावर और 500 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। यह कार मात्र 3.9 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है।

Tata Altroz Racer

भारतीय बाजार की सबसे तेज हैचबैक कारों में से एक है। यह कार Altroz प्लेटफॉर्म पर आधारित है। इसमें 1.2 लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन दिया गया है जो 120 PS की पावर जेनरेट करता है। यह कार मात्र 10 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ लेती है।

Hyundai i20 N-Line

Hyundai i20 N-Line उन लोगों के लिए है जो हर दिन ड्राइविंग का एक नया अनुभव चाहते हैं। इसमें 1.0 लीटर टर्बो GDi पेट्रोल इंजन है जो 120 PS की पावर और 172 Nm टॉर्क देता है। इसके साथ ही इसमें स्पोर्टी सस्पेंशन और स्टीयरिंग ट्यूनिंग दी गई है।

Volkswagen Golf GTI

फोक्सवैगन ने हाल ही में भारत में Golf GTI को लॉन्च किया है। कंपनी इसे कंप्लीट बिल्ट यूनिट (CBU) के रूप में भारत ला रही है। स्टाइल के साथ-साथ यह कार पावर में भी बेमिसाल है। इस हैचबैक में 2.0-लीटर TSI टर्बो-पेट्रोल इंजन दिया गया है जो 265hp की पावर और 370Nm का टॉर्क पैदा करता है। यह कार सिर्फ 5.9 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ लेती है। वहीं, इसकी टॉप स्पीड 250 किमी प्रति घंटा तक सीमित है।

Maruti Suzuki Fronx Turbo

मारुति सुजुकी फ्रोन्क्स टर्बो हैचबैक सेगमेंट में एक नया और दमदार विकल्प है। इसमें 1.0 लीटर बुस्टरजेट टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है जो 100 PS की पावर और 147.6 Nm टॉर्क देता है। इसकी खास बात यह है कि यह 0 से 60 किमी/घंटा की स्पीड सिर्फ 5.3 सेकंड में पकड़ लेती है।

नदी पार करते हुए फंस गई टोयोटा फॉर्च्यूनर एसयूवी, हाथी ने मिनटों में ही खींच दी गाड़ी, सोशल मीडिया पर वीडियो हुआ वायरल

परिवहन विशेष न्यूज

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रही है जिसमें Toyota Fortuner SUV नदी पार करते समय फंस गई। इसके बाद किस तरह से हाथी की मदद से गाड़ी को नदी से बाहर निकाला गया है। इस पर लोग मजेदार कमेंट कर रहे हैं। पूरा मामला क्या है और लोग किस तरह के कमेंट कर रहे हैं। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। देश में बड़ी संख्या में लोग एसयूवी सेगमेंट के वाहनों को पसंद करते हैं। जिनमें से कुछ एसयूवी को ऑफ रोडिंग क्षमता के साथ ऑफर किया जाता है। ऐसी एसयूवी आमतौर पर हर तरह के रास्तों पर बिना परेशानी चलाई जा सकती हैं। लेकिन हाल में ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें फंसी हुई गाड़ी को हाथी की मदद से बाहर निकाला जा रहा है।

फंस गई Toyota Fortuner SUV

टोयोटा की ओर से Fortuner SUV को ऑफर किया जाता है और इस एसयूवी को दमदार इंजन, ऑफ रोडिंग क्षमता के लिए काफी ज्यादा पसंद किया जाता है। हाल में ही सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें यह एसयूवी नदी पार करते हुए फंस गई है।

हाथी की मिली मदद

एसयूवी को बाहर निकालने के लिए स्थानीय लोगों और हाथी की मदद ली गई। एक छोर पर गाड़ी में रस्सी बांधी गई और दूसरे छोर पर हाथी ने रस्सी को अपने दांतों में फंसाकर गाड़ी को बाहर निकाल लिया। वीडियो में देखा जा सकता है कि हाथी कितनी आसानी से नदी में फंसी हुई एसयूवी को मिनटों में बाहर निकाल देता है।

लोग कर रहे कमेंट

वीडियो को इंस्टाग्राम पर सैद अलविकोया नाम के व्यक्ति ने अपलोड किया है। जिस पर लोग मजेदार कमेंट कर रहे हैं। कुछ लोग इस पर लिख रहे हैं कि रियल एलीफेंट फेक एलीफेंट को खींच रहा है। तो किसी ने लिखा है कि 166 हॉर्स पावर एक हाथी की पावर के आगे फेल हो गई।

मिले दो मिलियन से ज्यादा व्यू

इंस्टाग्राम पर इस वीडियो को कुछ समय पहले ही अपलोड किया गया है। बेहद कम समय में ही इसे दो मिलियन से ज्यादा व्यू मिल चुके हैं और 1.66 लाख से ज्यादा लोग इसे लाइक कर चुके हैं।

जापानी कंपनी ने भारत में लॉन्च किया टेरा क्योरो प्लस इलेक्ट्रिक ऑटो, 200 किमी है रेंज

परिवहन विशेष न्यूज

जापान की मशहूर इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी Terra Motors India (टेरा मोटर्स इंडिया) ने भारत में अपने नए इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर Kyoro+ को लॉन्च कर दिया है। कंपनी का मकसद है कि 2025 के आखिर तक देशभर में 100 डीलरशिप खोलना और हर महीने 5,000 यूनिट्स बनाने की क्षमता हासिल करना।

नई दिल्ली। जापान की मशहूर इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी Terra Motors India (टेरा मोटर्स इंडिया) ने भारत में अपने नए इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर Kyoro+ को लॉन्च कर दिया है। दिल्ली में आयोजित लॉन्च इवेंट में कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। जिनमें भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला भी शामिल थे।

'KYORO' नाम जापानी शब्द से लिया गया है, जिसका मतलब होता है चुस्ती और फुर्ती, जो इस वाहन के मुख्य गुणों को दर्शाता है। Kyoro+ अब टेरा मोटर्स के पहले से मौजूद इलेक्ट्रिक ऑटो जैसे Y4A, Rizin और Pace की रेंज में शामिल हो गया है। कंपनी का मकसद है कि 2025 के आखिर तक देशभर में 100 डीलरशिप खोलना और हर महीने 5,000 यूनिट्स बनाने की क्षमता हासिल करना।

Kyoro+ के फीचर्स - पावर और स्पीड

कंपनी का कहना है कि Kyoro+ को खासतौर पर भारत के शहरी माहौल और यहां की सड़कों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इसमें जापान की उन्नत तकनीक और भारतीय लोगों की जरूरतों का बेहतरीन मेल देखने को मिलता है। यह इलेक्ट्रिक ऑटो एक बार फुल चार्ज होने पर करीब 200 किलोमीटर तक चल सकता है, जो रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए काफी शानदार रेंज है। इसकी रफ्तार भी कमाल की है। यह सिर्फ 5.6 सेकंड में 0 से 28 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड पकड़ सकता है। इसकी टॉप स्पीड 55 किलोमीटर प्रति घंटा है, जो शहर के अंदर तेज और सुरक्षित यात्रा के लिए काफी है।

इसकी सबसे खास बात यह है कि यह वाहन 22 प्रतिशत की ऊंचाई वाली चढ़ाई पर भी, पूरी तरह भरे होने के बावजूद, बिना किसी दिक्कत के चल सकता है। यानी पहाड़ी इलाकों या ओवरब्रिज पर भी इसे चलाना आसान है।

बैठने और लगेज के लिए बड़ा स्पेस

अंदर से Kyoro+ में बैठने की अच्छी-खासी जगह दी गई है, जिससे सवारी आराम से सफर कर सके। साथ ही, इसमें बड़ा लगेज स्पेस भी दिया गया है, जिससे यात्रियों का सामान आसानी से रखा जा सके। कुल मिलाकर, यह गाड़ी स्मार्ट टेक्नोलॉजी, दमदार परफॉर्मेंस और आराम का बेहतरीन कॉम्बिनेशन है।

बुकिंग और फाइनेंस

कंपनी की Terra Finance (टेर्रा फाइनेंस) स्कीम के तहत जीरो डाउन पेमेंट की सुविधा भी उपलब्ध है। ग्राहक इसे Terra Motors की आधिकारिक वेबसाइट या नजदीकी डीलरशिप से बुक कर सकते हैं।

भारत के ईवी सेक्टर में टेरा मोटर्स की पकड़

टेरा मोटर्स इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर गो सुजुकी ने कहा कि, 'भारत में हमने पिछले 10 सालों में मैन्युफैक्चरिंग और ऑपरेशंस के दम पर ईवी मार्केट में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। हमने अब तक 1 लाख से ज्यादा L3 इलेक्ट्रिक वाहन बेचे हैं और खासकर पूर्वी भारत में हमारा दबदबा है।'

जीरो डाउन पेमेंट फाइनेंस स्कीम

उन्होंने आगे कहा, 'हमने अब तक ई-रिक्शा से क्लीन मोबिलिटी को बढ़ावा दिया है, लेकिन अब Kyoro+ के जरिए हम भारत की सड़कों पर ट्रांसपोर्ट को नए मायनों में परिभाषित कर रहे हैं। हमारा जीरो डाउन पेमेंट फाइनेंस स्कीम हर ग्राहक को बेहतरीन विकल्प चुनने की आजादी देता है।'

गर्मियों की छुट्टियों का मतलब हर किसी के लिए अलग है

विजय गर्ग

अभिनव और शैक्षिक गतिविधियों में संलग्न होकर, बच्चे शारीरिक और बौद्धिक विकास दोनों को सुनिश्चित करते हुए, अपने ग्रीष्मकालीन अवकाश का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं

स्कूल के छात्र गर्मियों की छुट्टियों के आगमन के लिए बहुत उत्साह के साथ तत्पर हैं। वह अवधि भी एक छात्र के जीवन के सबसे सुखद चरणों में से एक है। यह भी जरूरी हो जाता है कि माता-पिता इस बिंदु पर अपने बच्चों के समय के मूल्य को पहचानें। वे इस बारे में चिंता करने लगते हैं कि कैसे वे कभी भी अपने बच्चे को उन दिनों के दौरान बुद्धिमानी से अपने समय का उपयोग करने देंगे। इसके विपरीत, बच्चे उन महीनों में ऊर्जा और प्रत्याशा से भरे हुए हैं। हालांकि, यह कामकाजी माता-पिता के लिए परेशानी का विषय बन जाता है यदि उनके बच्चे छोटे और अत्यधिक ऊर्जावान हैं। उनकी दैनिक अनुसूचित गतिविधियाँ जंगली हो जाती हैं, जिससे माता-पिता के लिए अपने बच्चों को सार्थक गतिविधियों में शामिल करना कठिन हो जाता है।

हालांकि गर्मियों की छुट्टी का मतलब सभी के लिए अलग है, गर्मियों में सीखने के महत्व को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। यह बच्चों के शारीरिक के साथ-साथ शैक्षणिक स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण घटक है। सिर्फ 60 दिनों की गर्मी की छुट्टी के साथ, हर दिन एक बच्चा गर्मियों के प्रशिक्षण में भाग नहीं लेता है, एक झटका का प्रतिनिधित्व करता है। फिर भी, माता-पिता अपने बच्चों को विभिन्न प्रकार की नई और मनोरंजक गतिविधियों में शामिल कर सकते हैं।

ग्रीष्मकालीन अवकाश पाठ्यक्रम

गर्म भारतीय गर्मियों में कुछ लोगों, विशेष रूप से बच्चों के लिए सहन करने का सबसे कठिन समय हो सकता है। यदि वे गर्मी को हराने के लिए तैयार नहीं रहते हैं तो वे गंभीर रूप से पीड़ित हो सकते हैं। माता-पिता को इन गर्म दिनों के दौरान अपने बच्चों के भोजन के बारे में सतर्क रहना चाहिए ताकि उनके पाचन तंत्र पर कोई अतिरिक्त तनाव न रखा जाए। पाचन और निर्जलीकरण के मुद्दों से बचने के लिए, माता-पिता अपने बच्चों के भोजन की योजना में तरबूज, दही, ककड़ी, नारियल पानी और मौसमी सब्जियों को जोड़ सकते हैं।

बच्चों को समकालीन तकनीकी वातावरण के बारे में सीखना शुरू करना चाहिए जिसमें वे रहते हैं। इसलिए, माता-पिता अपने बच्चों को आकर्षक और नवीन शिक्षण उत्पादों के साथ संलग्न कर सकते हैं। रुझान इस प्रकार हैं:

बच्चों के लिए एआई और एमएल कोर्स: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसे भविष्य के कौशल वाले बच्चों को पेश करने के लिए ऑनलाइन विभिन्न पाठ्यक्रम हैं। कोई भी कैरियर विकल्प बच्चे चुनेंगे, यह कौशल होना चाहिए। छात्रों को उन पाठ्यक्रमों का विकल्प चुनना चाहिए जिनमें पायथन कोडिंग, जेनरेटिव-एआई प्रॉम्प्ट राइटिंग और वेबसाइट और ऐप बिल्डिंग जैसी उद्योग परियोजनाएं शामिल हैं। बच्चों और माता-पिता को नई तकनीकों से डरना नहीं चाहिए, बल्कि उन्हें भविष्य के नौकरी बाजार में मात देने के अवसर के रूप में लेना चाहिए। एआई टूल्स सीखना सांस्कृतिक रूप से सक्रिय छात्रों के प्रदर्शन की गुणवत्ता को भी अपग्रेड करेगा। एआई-एमएल सीखना छात्रों को आगामी नवाचार और रोबोटिक्स से संबंधित प्रतियोगिताओं के लिए भी तैयार करेगा। सबसे अच्छा परिणाम एक ऑनलाइन इंटर्नशिप हथियाने होगा। यह बच्चों को भविष्य के लिए अधिक आश्वस्त होने में मदद करेगा।

ग्रीष्मकालीन विशेष नवाचार आधारित ऑनलाइन प्रयोगः छात्रों और अभिभावकों को ऑनलाइन नवाचार आधारित प्रयोगों या परियोजनाओं की तलाश करनी चाहिए जो न केवल एक परियोजना किट प्रदान करेंगे, बल्कि परियोजना के विज्ञान और प्रौद्योगिकी को समझने के लिए लाइव सत्र भी शामिल होंगे। छात्रों को स्कूलों में भी परियोजनाओं का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम होना चाहिए। कुछ आकर्षक परियोजनाएं लेजर होम सिक्योरिटी सिस्टम, रेन वाटर डिटेक्शन और ऑटोमैटिक क्लॉथ रिट्रीवल मशीन, ऑटोमैटिक स्मार्ट रूफ, पार्किंग ऑक्यूपेंसी इंडिकेटर, स्मार्ट ब्लाइंड स्टिक आदि हो सकती हैं।

ऊपर बताए गए लोगों के अलावा, कई अन्य अभिनव गतिविधियाँ हैं जिन्हें माता-पिता गर्मियों की छुट्टियों के दौरान अपने बच्चों के आत्मविश्वास और रुचि को बढ़ाने के लिए खोजा जा सकता है। इसके अलावा, सीखना एक अंतहीन प्रक्रिया है। स्कूली बच्चों को हर दिन नई चीजों के बारे में ज्ञान प्राप्त करने की आवश्यकता होती है जो उनके करियर और शैक्षिक विकास के लिए उपयोगी हैं। छुट्टी के दौरान बच्चों के लिए सबसे महत्वपूर्ण ज्ञान में से कुछ स्थिरता, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी, स्वायत्त कार प्रौद्योगिकी, फ्लाइंग टैक्सी प्रणाली और ड्रोन प्रौद्योगिकी आदि होंगे। इस प्रकार, अगली गर्मी की छुट्टी के दौरान, छात्र बस खेल सकते हैं। जानें। खा। सही और उत्पादक छुट्टियों के उपयोग के इन उल्लिखित तरीकों पर विचार करके दोहराएं।

मांसपेशियों में जकड़न कामकाज में अड़चन

विजय गर्ग

नियमित व्यायाम न करने, कम पैदल चलने, लंबे समय तक कुर्सी पर बैठ कर काम करने वालों की मांसपेशियों में अक्सर जकड़न महसूस होती है। इससे कमर की तकलीफ, अपच, सिर

में भारीपन आदि की शिकायत रहने लगती है। कई लोगों को चलने-फिरने में दर्द भी होने लगता है। इससे कामकाज में बाधा आती है। मांसपेशियों में अकड़न की पहचान बहुत आसान है। घुटने से नीचे पिंडलियों को दबा कर देखें, अगर वे सख्त हैं, तो समझ जाएं कि मांसपेशियों मे जकड़न है। पिंडलियों में लचीलापन होना चाहिए। इससे पता चल जाता है कि आपका पाचन तंत्र सही तरीके सा काम कर रहा है, बाकी मांसपेशियां भी सुचारु हैं। वैसे भी तकलीफ शुरू हो तभी उसका उपचार करना जरूरी होता है। तकलीफ शुरू ही न हो, इसके लिए पहले से कुछ सावधानियां बरतनी शुरू कर देनी चाहिए। उम्र बढ़ने का साथ ये सावधानियां बहुत जरूरी हैं।

मालिश

मांसपेशियों में नरमी के लिए मालिश सबसे कारगर उपाय है। हफ्ते में कम से कम एक दिन अवश्य ऐसा निकालना चाहिए, जब आप खुद या किसी की मदद से मांसपेशियों पर अच्छी तरह दबाव डालते हुए तेल मालिश करें। नारियल या सरसों का तेल गुनगुना कर लें। पिंडलियों, घुटनों, कंधों, कुहनियों, कमर और बांहों पर तेल लगा कर दबाव डालते हुए कम से कम पंद्रह से बीस मिनट तक मालिश करें। मालिश के बाद आधे घंटे तक न नहाएं। इससे मांसपेशियां नरम पड़ेंगी। अगर किसी प्रशिक्षित मालिश करने वाले की मदद लें, तो इसमें जल्दी आराम मिलेगा।

आहार

मांसपेशियों में अकड़न कई बार खानपान में सावधानी न बरतने की वजह से भी पैदा हो जाती है। जो लोग अधिक तला-भुना, मसालेदार भोजन करते हैं, अक्सर उनका पाचन तंत्र मंद पड़ जाता है। इसका प्रभाव मांसपेशियों पर भी पड़ता है। भोजन ठीक से नहीं पचता, तो शरीर में वायुदाब बढ़ता जाता है। इससे मांसपेशियां तन जाती हैं। इसलिए भोजन में ऐसी चीजों का चुनाव करें, जो आसानी से पच जाती हों। गर्मी के मौसम में वैसे भी सुपाच्य आहार लेना ही उचित होता है। रेशेदार, पत्तेदार सब्जियां, खट्टे फल पाचन में सहायक होते हैं। तेल और मसालों की मात्रा कम कर दें। चुकंदर का अधिक से अधिक उपयोग करें, तो मांसपेशियों को आराम मिलता है। चुकंदर की कांजी बना कर रख लें, इसे सुबह खाली पेट पीएं, इससे मांसपेशियों को राहत मिलेगी।

व्यायाम

मांसपेशियों को स्वस्थ और सक्रिय बनाए रखने के लिए व्यायाम बहुत जरूरी है। रोज सुबह कम से कम पंद्रह मिनट का समय अवश्य निकालें,

नुस्खे

मांसपेशियों का व्यायाम कर लिया करें। अगर केवल दंड-बैठक कर लें, तो उतने भर से पेट और मांसपेशियों का अच्छा व्यायाम हो जाता है। मांसपेशियों के व्यायाम के अन्य तरीके भी सीख सकते हैं। बिस्तर पर लेट कर भी टांगों को ऊपर-नीचे कर लें, मयूरासन या धनुरासन कर लें, तो मांसपेशियों को बहुत राहत मिलती है। फिर आप अनुभव करेंगे कि आपका पाचन तंत्र भी ठीक होने लगा है और काम में फुर्ती भी रहने लगी है। दिन भर मन ऊर्जा से भरा रहेगा।

भाषा में शालीनता क्यों गायब हो गई?

आज के युग में पढ़े-लिखे उच्च पद पर आसीन महानुभाव भी भाषा की मर्यादा भूल गए हैं और जो मुंह में आ रहा है, बोल रहे हैं। एक मंत्री द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग करने वाली कर्नल सोफिया को लेकर विवादित बयान दिया गया। उन्हें आतंकवादियों की बहन कहा गया। राजनीति-सोशल मीडिया का सच है'

एक छोटी सी पुरानी कहानी है कि एक बार एक सैनिक जंगल में भटक गया। वह अपने राजा और मंत्री को ढूंढता-ढूंढता जंगल में एक ऐसे स्थान पर पहुंचा, जहां एक अंधा व्यक्ति पेड़ के नीचे बैठा हुआ था। उस सैनिक ने उसे देखकर कहा कि मैं भटक गया हूं, क्या आपने राजा या मंत्री को इस जंगल से जाते हुए देखा है। तो अंधे ने कहा कि वैसे तो मैं अंधा हूं, देख नहीं सकता, पर बता सकता हूं कि पहले यहां से राजा, फिर मंत्री और फिर उसके बाद नौकर एक-दूसरे को ढूंढते हुए निकले हैं। सैनिक ने कहा कि आप तो देख नहीं सकते फिर कैसे पता चला कि वे राजा, मंत्री और नौकर थे। तो अंधे व्यक्ति ने कहा पहले यहां से राजा जी गुजरे, उन्होंने मुझे पूछा सूरदास जी क्या आपने यहां से किसी घोड़े की टाप सुनी है। फिर मंत्री आया, उसने कहा जरा सुनिए महोदय, क्या यहां से घोड़े पर कोई गुजरा है? फिर नौकर आया, उसने कहा ओए! अंधे क्या तुमने यहां से हमारे राजा या मंत्री को जाते देखा है। भाषा की शालीनता से ही मैं बिना आंखों से भी पहचान गया कि सूरदास जी कहने वाला राजा था। जरा सुनिए महोदय कहने वाला मंत्री था और ओए! अंधे, कहने वाला नौकर था। इस प्रकार जो संस्कारित घराने से होगा, वह उतना ही सभ्य, शालीन और उदार होता है। शिक्षित, संस्कारित विद्वान तीसरे स्तर की भाषा कभी नहीं बोल पाता। अपमानजनक भाषा बोलने वाले को प्रत्युत्तर देने के लिए उसे भी उसी स्तर तक नीचे गिरना पड़ेगा, वैसा वह कर नहीं पाता और गहरी पीड़ा झेलता है। शब्द ब्रह्म स्वरूप होते हैं।

एक बार प्रस्फुटित होने के बाद उनकी वापसी ठीक वैसे ही नहीं होती जैसे तरकश से निकले तीर की। प्राचीन युग से ही पुरुषों की लड़ाई में नारी का अपमान और शोषण किया जाता रहा है। उन्हें अपशब्द कहे जाते हैं और वह बेचारी बिना कसूर के पिसती है। मूर्ख और असभ्य लोग ही मां-बहनों के पीछे पड़ जाते हैं। साधारण नारी या लडक़ी का राह में अकेले चलना तो मुश्किल ही है। गली के गुंडे कई तरह के अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हैं। परंतु आज के युग में पढ़े-लिखे उच्च पद पर आसीन महानुभाव भी भाषा की मर्यादा भूल गए हैं और जो मुंह में आ रहा है, बोल रहे हैं। एक मंत्री द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग करने वाली कर्नल सोफिया को लेकर विवादित बयान दिया गया। उन्हें आतंकवादियों की बहन कहा गया। आज की राजनीति और सोशल मीडिया में कुछ ऐसे लोगों का वर्ग बढ़ता जा रहा है जो बिना सोचे-समझे जो जुबान में आ रहा है, उसे बोल रहे हैं और हैरानी की बात यह है कि उन्हें इन अपशब्दों पर कोई पश्चाताप नहीं है। एक ऐसा वर्ग जो सभ्यता के नाम पर कलंक है। एक शिक्षित की भाषा मर्यादित होती है। मानव ने पृथ्वी लोक पर इतना विकास कर लिया, फिर भी वह सभ्य और सुसंस्कृत नहीं बन सका तो बहुत ही दुख की बात है। इन लोगों को भगवान का भी डर नहीं है। जब इनका दिल पुरुष को गाली देकर नहीं भरता, तो वे नीचता की सारी हदें पार करके उनकी मां-बहन या बेटी पर इतने घटिया चरित्रहनन और अश्लील शब्दों का प्रयोग करने लगते हैं कि बड़े से बड़ा गुंडा भी हैरान रह जाए। स्वर की देवी सरस्वती है तो क्या यह सरस्वती मां का अपमान नहीं है जिनसे हमें स्वर और विद्या का वरदान मिला। जब भारत कोविड-19 महामारी की विनाशकारी दूसरी लहर से गुजर रहा था, गंगा में सैकड़ों लाशें तैरती देखी गई। बहुत ही भयंकर दौर से देश गुजर रहा था। तब गुजरात की एक संवेदनशील कवयित्री पारुल खक्कर द्वारा गुजराती में लिखी गई कविता : 'एक साथ सब मुर्दे बोले सब कुछ चंगा-चंगा/राजा तुम्हारे रामराज में शव वाहिनी गंगा।' इस मूल गुजराती कविता का हिंदी, पंजाबी, बंगाली, मलयालम, अंग्रेजी, यहां तक कि जर्मनी में भी अनुवाद किया गया तो अश्लीलता में माहिर इस वर्ग ने सोशल मीडिया पर अश्लील व्यक्तिगत टिप्पणियां पोस्ट करके उन्हें इतना परेशान किया कि उन्हें अपना फेसबुक प्रोफाइल ब्लॉक करना पड़ा। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर का ऐलान करने के बाद उनको ट्रोलर ने सोशल मीडिया में इतनी गालियां दी और उनके परिवार और यहां तक कि उनकी बेटी पर भी अश्लील संदेशों की बौछार लगा दी। इस सबसे परेशान होकर उन्होंने अपना एक्स अकाउंट प्राइवेट कर दिया। हिमांशी नरवल शादी के केवल 6 दिन बाद ही पहलगाम नरसंहार में विधवा हो गई थी, उसका दोष यही था कि जब कश्मीर में आतंकवादियों के घरों पर बुलडोजर चलने का समाचार सुना तो उसने शांति की अपील करते हुए कहा कि हमें न्याय चाहिए, पर किसी बेकसूर मुसलमान और कश्मीरी को टारगेट न किया जाए। बस फिर क्या था, गंदगी उगलने वाले गिद्ध की तरह टूट पड़े और उन्हें सोशल मीडिया में जमकर गालियां दी गई। चरित्र पर बहुत ही बेहुदा लांछन लगाए गए।

अपमानजनक शब्द कहना, नारी के चरित्र पर कीचड़ उछालना, बदला लेने के लिए बलात्कार करना, तेजाब फेंकना आदि कुकृत्य इन गिद्धों के लिए साधारण बात है। जब किसी संवेदनशील, सच्चरित्र, शालीन, सभ्य व्यक्ति या नारी पर अश्लील भाषा का प्रयोग किया जाता है, उसकी पत्नी, बेटी के चरित्र पर कीचड़ उछाला जाता है, तो उन असभ्य जंगली जल्लादों को क्या पता कि वह कितने आहत हुए होंगे, गहरी पीड़ा से कितने बेचैन, व्याकुल और हताश हुए होंगे और जब भी उन्हें उन अपमानजनक शब्दों की याद आती होगी तो पीड़ा से कराह उठते होंगे। यह लोग सोशल मीडिया का इतना गंदा और घिनौना प्रयोग कर रहे हैं कि संवेदनशील व्यक्ति की गरिमा पर चोट पहुंचाना इनका काम है जिसके कारण अनगिनत लोग विवश होकर रह गए हैं, क्योंकि इन दुष्टों पर किसी का कोई अंकुश नहीं है। जमाना बदल रहा है या पतन हो रहा है? पुराने जमाने में बच्चा गलत व्यवहार करता था या कोई उलाहना स्कूल या पड़ोस से आता था तो अभिभावक बच्चों की पिटाई करता था, पर आज अगर बच्चे की शिकायत अध्यापक या पड़ोसी से करो तो अभिभावक शिकायतकर्ता से लडना शुरू करते हैं और अपने बच्चों को शह देते हैं। इस तरह गालियां आम हो गई हैं।

-कविता सिसोदिया

गुठलियां

विजय गर्ग

मांजी, चाय!' बहू की मीठी आवाज़ सुभद्रा के कानों में पड़ी। चाय का पहला घूंट पीते ही उसे लगा, चाय केवल दूध से ही तैयार की गई है। सुभद्रा पुलकित हो उठी, राकेश और रीना को उसकी सेहत की कितनी चिन्ता है! शायद इस बार उसने गांव से राकेश के साथ यहां आकर कोई गलती नहीं की है।

दीवार पर अपने पति की माला चढ़ी फोटो को देखते हुए वह पुरानी यादों में खो गई। बचपन के बारे में सोचते ही शहतूत के लिए बागों की ओर दौड़ते बच्चे उसकी आंखों के आगे घूमने लगते हैं। उसे शहतूत बहुत अच्छे लगते थे, पर वह चाहकर भी नहीं खा पाती थी। उन दिनों हर वर्ष उसके भाई-बहनों की संख्या में वृद्धि हो जाती थी और उनमें से किसी एक को कमर से टिकाए उसे मां के कामों में हाथ बंटाना पड़ता था। भाइयों से बहुत ईर्ष्या होती थी। मां उन्हें बादाम और चिलगोजे खाने को देती थी। पिताजी भी मूंगफली की तरह मेवे फांका करते थे। जब वह मांगती तो कहा जाता, यह सब चीजें लड़कियों के खाने के लिए नहीं होतीं। चौदह वर्ष की आयु में उसका विवाह हो गया था और तब से अब तक उसका समय बच्चे पैदा करने, करवाने और फिर उन बच्चों को पालने-पोसने में बीत गया था।

इन्हीं बातों को सोचते-सोचते वह थक गई। रोहित और नन्ही बिट्टी उसके पास बैठे आम खा रहे थे, पास ही राकेश खड़ा अखबार पढ़ रहा था।

'मां, हम लोग कल बीस-पच्चीस दिनों लिए एलटीसी पर साऊथ जा रहे हैं...' राकेश ने अखबार से आंख हटाए बिना मां से कहा। 'तुम हमारे पीछे घर का जरा ध्यान रखना। वैसे रीना सब इन्तजाम करके जाएगी। तुम्हें हमारे पीछे कोई परेशानी नहीं होगी।'

गाढ़े दूध से तैयार चाय का आखिरी घूंट सुभद्रा को बहुत कड़वा लगा... तो इसलिए लाया गया है उसे गांव से। उधर बिट्टी गला फाड़-फाड़कर रोने लगी थी। रीना ने चुपके से गुठली वाला भाग रोहित को दे दिया था जबकि बिट्टी काफी देर से गुठली की मांग कर रही थी। रोहित अपनी छोटी बहन के रोने की परवाह किए बिना तेजी से गुठली चूसे जा रहा था।

ट्रंप टैरिफ : एक अवसर

यूरोपीय देश, जो भारत से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और अन्य प्रकार के सहयोग से बचते थे, अब भारत को प्रतिरक्षा के क्षेत्र में भी वैश्विक मूल्य श्रृंखला में शामिल करने के लिए आतुर हैं

हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप ने एप्पल के सीईओ को धमकी दी थी कि कंपनी भारत में एप्पल फोन का उत्पादन बंद कर दे और इसके बदले एप्पल की फैक्टरी अमरीका में स्थानांतरित कर दे, लेकिन इसके बावजूद एप्पल की सहयोगी कंपनी फॉक्सकॉन ने एप्पल आईफोन के उत्पादन के लिए भारत में 1.5 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की। अब राष्ट्रपति ट्रंप ने अमरीका में आयातित एप्पल फोन पर 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की है और कहा है कि अमरीका के बाहर उत्पादित एप्पल फोन पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। ऐसा अमरीका के बाहर एप्पल फोन के उत्पादन को हतोत्साहित करने के लिए किया गया है। ऐसा लगता है कि कंपनी इस संबंध में अमरीकी राष्ट्रपति की बात मानने को तैयार नहीं है। इसी तरह अमरीका की टैरिफ घोषणा के बाद यूरोपीय आयोग ने भी रक्षा वस्तुओं के उत्पादन में भारत के साथ साझेदारी करने की इच्छा व्यक्त की थी, और स्पष्ट रूप से कहा था कि वे रक्षा वस्तुओं के उत्पादन में वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भारत को एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में देखते हैं। गौरतलब है कि 2 अप्रैल, 2025 को अमरीका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यालय ने विभिन्न देशों से आने वाले सामानों पर उच्च टैरिफ लगाने की घोषणा की, जिसे वे पारस्परिक टैरिफ कहते हैं। चूंकि विभिन्न देश अमरीका से आने वाले सामानों पर अलग-अलग टैरिफ लगाते हैं, इसलिए राष्ट्रपति ट्रंप ने भी विभिन्न देशों पर अलग-अलग टैरिफ लगाने का विकल्प चुना है। इस संदर्भ में, राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 27 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है, जिसका अर्थ है कि भारत से अमरीका को निर्यात किए जाने वाले सामानों पर 27 प्रतिशत टैरिफ लगेगा।

यह महत्वपूर्ण है कि ट्रंप ने चीन पर पहले 54 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जबकि वियतनाम पर 46 प्रतिशत, श्रीलंका पर 44 प्रतिशत, थाईलैंड पर 36 प्रतिशत, ताइवान पर 32 प्रतिशत, दक्षिण अफ्रीका पर 30 प्रतिशत और जापान पर 24 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ लगाया गया। इसके अलावा, अमरीकी प्रशासन ने धमकी दी कि अगर कोई देश भी अमरीका से आयात पर जवाबी कार्रवाई कर टैरिफ बढ़ाता है तो वे भी टैरिफ और बढ़ा देंगे। इस संदर्भ में, चीन की जवाबी कार्रवाई और अमरीका से आयात पर टैरिफ बढ़ाने के फैसले के बाद, ट्रंप प्रशासन ने चीन से आयात पर उसके बाद 104 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया। हालांकि, एक हफ्ते से भी कम समय में, 8 फरवरी को ही राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने कदम वापस ले लिए और पारस्परिक टैरिफ को 90 दिनों के लिए रोक दिया, और कहा कि अब 75 देशों पर मात्र 10 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क ही लगेगा, लेकिन चूंकि चीन ने जवाबी कार्रवाई की है, ट्रंप ने उस पर पहले 104 प्रतिशत और फिर 145 प्रतिशत और उसके बाद तो 245 प्रतिशत का पारस्परिक टैरिफ लगा दिया है। हाल ही में चीन और अमरीका में कुछ सहमति बनने के बाद अमरीका ने चीन पर टैरिफ घटाकर 30 प्रतिशत और 10 प्रतिशत कर दिया है।

डोनाल्ड ट्रंप का तर्क है गलत : हालांकि अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यह तर्क देते हैं कि दूसरे देश अमरीकी सामानों पर ज्यादा टैरिफ लगाते हैं, जबकि अमरीका विदेशों से आने वाले सामान पर कम टैरिफ लगाता है। इससे अमरीका को नुकसान होता है, क्योंकि अमरीकी सामान दूसरे देशों में जाकर महंगा हो जाता है, जिससे अमरीकी

सामान कम प्रतिस्पर्द्धी हो जाता है। उनका कहना है कि उन्हें अमरीका में उद्योगों को पुनः स्थापित कर अमरीका को पुनः महान बनाना है। लेकिन उनका यह तर्क इसलिए गलत है क्योंकि भारत समेत दूसरे देश अमरीकी सामान पर अधिक टैरिफ डब्ल्यूटीओ में हुए समझौतों के अनुरूप लगाते हैं। उदाहरण के लिए भारत अपने देश में आने वाले सामानों पर 50.8 प्रतिशत भारित टैरिफ लगाने का अधिकारी है। हालांकि भारत वास्तव में मात्र 6 प्रतिशत भारित टैरिफ ही लगाता है। भारत समेत अन्य विकासशील देशों को ज्यादा टैरिफ लगाने की अनुमति इसलिए दी गई थी क्योंकि डब्ल्यूटीओ में हुए समझौतों में भारत समेत अन्य विकासशील देशों को मात्रात्मक नियंत्रण लगाने, अपने लघु उद्योगों के संरक्षण करने, कृषि को अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों से अलग रखने, अपना बौद्धिक संपदा एवं विदेशी निवेश को नियमित करने हेतु कानून बनाने की स्वतंत्रता समेत कई अधिकारों से वंचित होना पड़ा था। इसके बदले में उन्हें अमरीका और अन्य विकसित देशों की तुलना में ज्यादा टैरिफ लगाने का अधिकार मिला था। ट्रंप द्वारा टैरिफ युद्ध के बाद वह अधिकार भी छिन रहा है।

डब्ल्यूटीओ से हुआ नुकसान : यह साबित हो चुका है कि बहुपक्षीय समझौते भारत जैसे विकासशील देशों के लिए शुभ नहीं हैं। अब समय आ गया है कि जब अमरीका जैसे विकसित देश डब्ल्यूटीओ की अवहेलना कर रहे हैं, तो हमें भी डब्ल्यूटीओ में ट्रिप्स समेत अन्य शोषणकारी समझौतों से बाहर आने की रणनीति के बारे में सोचना चाहिए। ध्यातव्य है कि डब्ल्यूटीओ से पहले, भारत लगभग 10000 वस्तुओं के आयातों पर मात्रात्मक नियंत्रण (क्यूआर) लगाता था, लेकिन डब्ल्यूटीओ समझौतों के कारण वह संभव नहीं रहा। डब्ल्यूटीओ के विघटन के बाद अब मात्रात्मक नियंत्रण लगाना संभव हो सकेगा, जिससे हमें अपने उद्योगों को संरक्षित एवं संवर्धित करना संभव हो सकेगा।

द्विपक्षीय समझौतों की जरूरत : नए परिदृश्य में, भारत को बहुपक्षीय व्यापार समझौतों के बजाय द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के साथ अपने विदेशी व्यापार को बढ़ाना चाहिए। हालांकि अमरीका और अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करते समय, राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जानी चाहिए, खासकर हमारे किसानों और छोटे उद्यमियों की। हमने देखा है कि पिछले 10 वर्षों में, सरकार व्यापार समझौतों पर बातचीत करते समय किसानों के हितों और उनकी आजीविका की रक्षा कर रही है, चाहे वह ऑस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से कृषि को बाहर करना हो, या डेयरी और कृषि पर इसके प्रतिकूल प्रभाव की चिंताओं के कारण क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) से बाहर आना हो। जहां तक कृषि और लघु उद्योग का सवाल है, इस नीति को जारी रखने की जरूरत है, खासकर जहां किसानों और श्रमिकों की आजीविका प्रभावित हो रही हो। इसके अलावा, भारतीय रुपए में विदेशी व्यापार को बढ़ाने के लिए सरकार के प्रयास सराहनीय है। हालांकि, यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाना चाहिए कि स्विफ्ट जैसी पश्चिमी प्रणाली को हमारे देश पर दबाव बनाने के लिए हथियार के रूप में इस्तेमाल न करने दिया जाए। पूरी दुनिया भू-आर्थिक विखंडन के दौर से गुजर रही है और इस परिदृश्य में सफलता की कुंजी 'राष्ट्र प्रथम' की नीति है।

नई संभावनाएं : एक तरफ जहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और दूसरे देशों पर शुल्क बढ़ाए जा रहे हैं और डब्ल्यूटीओ नियमों को दरकिनार किया जा रहा है, नए परिप्रेक्ष्य में नई संभावनाएं भी जन्म ले रही हैं। चूंकि राष्ट्रपति ट्रंप ने विभिन्न देशों पर अलग-अलग शुल्क लगाने का निर्णय किया है, चीन पर अधिक शुल्क लगाने और चीनी सामान अमरीका और यहां तक कि यूरोपीय देशों द्वारा भी विभिन्न प्रकार की रुकावटें लगाने से भारत के लिए इन देशों में संभावनाएं बेहतर हुई हैं। यूरोपीय देश जो भारत से सामान्यतः प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और अन्य प्रकार के सहयोग से बचते थे, अब भारत को प्रतिरक्षा के क्षेत्र में भी वैश्विक मूल्य श्रृंखला में शामिल करने के लिए आतुर हो रहे हैं। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एपल कंपनी को भारत में निवेश करने हेतु बारंबार मना करने के बावजूद फोक्सकॉन जो एपल कंपनी के आईफोन उत्पादन में मुख्य भूमिका रखती है, 1.5 अरब डालर के निवेश की घोषणा इस बात का संकेत करती है कि वैश्विक कंपनियां अब भारत को एक महत्वपूर्ण निवेश गंतव्य मान रही हैं। भारत की युद्ध सामग्री की मांग भी दुनिया में बढने लगी है।

-डा. अश्वनी महाजन

नशे में जकड़ रहा झारखंड में मादक पदार्थों का दुरुप्रयोग रोकने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

युवाओं को नशे की गिरफ्त से निकालना है बाहर: राहुल पुरवार, सचिव

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

रांची, नशे के गिरफ्त में समा रहा झारखंड के उच्च शिक्षा एवं तकनीकी विभाग के प्रधान सचिव राहुल पुरवार ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की सोच है कि झारखंड को नशामुक्त करना है । इस निमित्त विभिन्न विभागों के मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है कि कैसे वे अपने - अपने जिले में जाकर समन्वय स्थापित करते हुए लोगों को जागरूक करेंगे। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में

झारखंड के युवाओं को नशा के गिरफ़्त से निकालना होगा उक्त बातें सचिव राहुल पुरवार ने रांची डोरंडा स्थित शौर्य सभागार में चल रहे निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने हेतु मास्टर ट्रेनर के प्रशिक्षण कार्यक्रम मे ड्रग एब्यूज अवेयरनेस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कहीं ।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, रांची के इंटेलिजेंस ऑफिसर कुमार मनोहर मंजुल ने कहा कि यूथ अफीम , कोकीन , हेरोइन , गांजा , कफ सिरप , व्हाइटनर , डेंड्राइट आदि अन्य मादक पदार्थों के सेवन से वे अपनी जिंदगी को बर्बाद कर रहे हैं। हमें अपने रोल को समझना होगा । लोगों में , युवाओं में ड्रग्स के सेवन से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में उन्हें जागरूक करना होगा । न्यू ट्रेंड ऑफ़ ड्रग्स को समझना होगा कि आख़िर युवा किन माध्यमों और विभिन्न दवाओं के मिश्रण कर उसे ड्रग्स (नशा) के रूप में उपयोग में लाते हैं । कुमार मनोहर मंजुल ने बताया कि ड्रग्स एडिक्शन की रोकथाम के लिए हमें इनोवेटिव मेथड अपनाने होंगे । राज्य के शहरी क्षेत्रों में सिंथेटिक ड्रग्स (कफ सिरप , नेल पेंट की स्मेल , डेंड्राइट, व्हाइटनर) आदि का चलन ज़्यादा है। उन्होंने खूँटी जिला का जिक्र करते हुए कहा कि खूँटी में अफ़ीम की खेती के हानिकारक तत्व के बारे जिला प्रशासन द्वारा जानकारी दी जा रही है और अफ़ीम की खेती की रोकथाम हेतु आवश्यक कदम उठाए गए गए हैं ।

रिनपास के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सजल आशीष नाग ने बताया कि कैसे और किन कारणों से युवा ड्रग्स की शुरुआत करते हैं । माहौल और ग़लत संगत के कारण , तनाव के कारण , आसानी से उपलब्धता के कारण , इसके नुकसान के प्रति जानकारी नहीं होने के कारण भी ड्रग्स के आदी हो जाते हैं ।

सीआईपी के डॉ अनिरुद्ध मुखर्जी ने ड्रग्स की रोकथाम के उपायों के बारे में पीपीटी के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी ।

यूनिसेफ के मृत्युंजय नायक ने नशे की रोकथाम में संचार और समुदायगत सक्रियता की भूमिका के बारे में प्रेजेंटेशन दिया । उन्होंने कहा कि भारत ने दुनिया को बताया कि कैसे कलेक्टिव सपोर्ट से बेहतर परिणाम निकल कर आ सकता है । इसलिए आज हमलोग सभी संबंधित विभागों के सहयोग से मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षण दे रहे हैं ।

सिनी के सुभादीप अधिकारी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे सत्र में निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने हेतु जागरूकता कार्यक्रम को कैसे सफल बनायें इसके आगामी कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी ।

जिसमें विभिन्न विभागों का सहयोग रहेगा । जिसमें स्कूली , शिक्षा एवं साक्षरता विभाग , उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, महिला , बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग , स्वास्थ्य , चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग , पर्यटन , कला संस्कृति , खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग , झारखंड पुलिस , झारखंड राज्य आजीविका प्रोत्साहन सोसाइटी एवं वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग हैं ।

22 मई को संथाल परगना और 23 मई को कोल्हान एवं पलामू प्रमंडल के मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षण दिया जाएगा ।

झारखंड शराब नीति पर 700 करोड़ का घोटाला: रघुवर दास

रायपुर में ठहरे 22 विधायकों का विल किसने दिया ?

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने झारखंड सरकार की शराब नीति पर जमकर निशाना साधा है. उन्होंने कहा है कि शराब नीति में 700 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है. पूर्व सीएम ने कहा है कि 2022 के अगस्त माह में हेमंत सरकार के 32 विधायक रायपुर में ठहरे थे. उसका बिल किसने दिया, शराब माफिया या हेमंत सरकार स्पष्ट करें ? वैसे रघुवर दास पुस्तैनी छत्तीसगढ़ से है जबकि उनके पिता टाटा स्टील जमशेदपुर में कार्यरत रहे , जहां रघुवर ने अपनी राजनीतिक कैरियर आरंभ कर झारखंड के मुख्यमंत्री पद तक पहुंचे हैं .उनको दोनों राज्यों के राजनीतिक गलियारे की पगडंडी में अच्छी जानकारी है .nnew

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास अपने कार्यालय में मीडिया से बातचीत के दौरान झारखंड में नई शराब नीति पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की. उन्होंने कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार ने एक बार फिर माना कि उनके समय बनाई गई नियमावली वर्तमान सरकार द्वारा बनाये गये नियमों की तुलना में ज्यादा राज्यहित और जनहित में थे. उन्होंने कहा कि इसमें राज्य सरकार ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है कि उनकी सरकार द्वारा 2018 में बनाई गई नीति ही सर्वश्रेष्ठ रहा।

पूर्व सीएम ने कहा सरकार ने स्पष्ट माना है कि 2018 की उस नियमावली के लागू होने के बाद राज्य सरकार को शराब से राजस्व में दोगुनी वृद्धि हो गयी थी. पूर्व सीएम ने कहा कि 2018-19 के 1082 करोड़ रुपए के राजस्व की तुलना में 2019-20 में राजस्व दोगुना होकर 2009 करोड़ रुपये हो गया था. लेकिन वर्तमान में राज्य सरकार की शराब नीति राज्य हित में नहीं है. पूर्व सीएम रघुवर दास ने कहा कि हाल के दिनों मे मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव सह उत्पाद विभाग में रहे अधिकारी शराब घोटाले में होटवार जेल में हैं. उन्होंने कहा कि मामला सौ करोड़ का नहीं, सात सौ करोड़ रुपए के घोटाले का है।

झारखंड मे अधिकारी पत्नी को डिजिटल अरेस्ट कर 59 लाख की सायबर ठगी, दो गिरफतार

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

रांची , रांची डोरंडा निवासी एक अधिकारी की पत्नी को डिजिटल अरेस्ट कर साइबर अपराधियों ने 59 लाख 44 हज़ार 307 रुपये की साइबर ठगी के मामले में साइबर अपराध थाने की पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपितों में बिहार के पटना जिले के सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के ठिकिया टोली महेंद्रु निवासी अजय कुमार सिन्हा व उनका बेटा सौरभ शेखर शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपितों के पास से दो मोबाइल, तीन सिमकार्ड, दो आधार कार्ड, दो चेकबुक व कांड से संबंधित वॉट्सऐप चैट बरामद किए गए हैं।

सीआईडी के अधीन संचालित रांची स्थित साइबर अपराध थाने में 28 मार्च को पीड़िता ने अज्ञात साइबर अपराधियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

उसने बताया था कि उनके मोबाइल पर साइबर अपराधियों का वॉट्सऐप कॉल आया और आरोपित ने खुद को सीबीआई का अधिकारी बताकर मनी लॉन्ड्रिंग के फर्जी केस में फंसाने की धमकी दी। वह डर गईं और उक्त साइबर अपराधी के झांसे में आ गईं। इसके बाद अपराधियों ने पीड़िता को भयभीत कर उनसे बैंक खातों का डिटेल्स लिया और उन खातों से 59 लाख 44 हज़ार 307 रुपयों का हस्तांतरण कर लिया।

साइबर अपराध थाने की पुलिस ने राशि हस्तांतरण वाले बैंक खाते का तकनीकी विश्लेषण किया। मिले साक्ष्यों व दस्तावेजों के आधार पर रांची से अधिकारियों की एक टीम पटना पहुंची, जहां आरोपितों को उनके घर से गिरफ्तार किया गया। उनकी निशानदेही पर कांड से संबंधित साक्ष्य को भी बरामद किया।

इसके पीछे यह उद्देश्य था कि धोखाधड़ी को किसी सामाजिक संस्था की आड़ में छुपाया जा सके। इसमें आने वाले रुपयों को अजय कुमार सिन्हा का बेटा सौरभ शेखर ट्रांजेक्शन करता था। छानबीन में पता चला कि इस खाते में केवल एक दिन में एक करोड़ 47 लाख 95 हज़ार 307 रुपये क्रेडिट हुए थे।

इस खाते के बारे में साइबर अपराध थाने की पुलिस ने नेशनल साइबरक्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल से जानकारी ली तो पता चला कि इसके विरुद्ध झारखंड में एक, महाराष्ट्र में दो, पुडुचेरी में एक, उत्तराखंड में दो व बिहार में एक यानी कुल सात शिकायतें दर्ज हैं।

साइबर अपराध जांच कर रही पुलिस ने आम लोगों को ऐसे अपराधियों से सावधान रहने की अपील की है। साइबर अपराधी स्वयं को केंद्रीय एजेंसी जैसे सीबीआई, एनसीबी या एनआइए का अधिकारी बताकर पीड़ित को वीडियो कॉल करता है।

कॉल के दौरान अपराधी सरकारी वर्दी पहने व्यक्ति का वीडियो दिखाकर विश्वास दिलाता है कि पीड़ित के नाम पर मनी लॉन्ड्रिंग या कोई अन्य गंभीर मामला है। इसके बाद डिजिटल अरेस्ट की धमकी देकर मानसिक रूप से भयभीत करता है।

इस भय का लाभ उठाकर आरोपित पीड़ित से ठगी के उद्देश्य से तत्कॉल भुगतान की मांग करता है। भुगतान के लिए बैंक खाता डिटेल्स साझा करते ही पीड़ित से एक या एक से अधिक बार में बड़ी धनराशि ट्रांसफर करवा लेते हैं। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे कोई भी सरकारी जांच एजेंसी वीडियो कॉल नहीं करती है।

किसी अनजान के दबाव में आकर धनराशि स्थानांतरित न करें। बैंक डिटेल्स, ओटीपी, यूपीआई पिन किसी के साथ साझा नहीं करें। यदि कोई खुद को अधिकारी बताकर कॉल करता है और पैसे मांगता है तो तुरंत 1930 पर कॉल करें या डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डाट साइबरक्राइम डाट जीओवी डाट इन पर शिकायत दर्ज करें। साइबर ठगी से संबंधित किसी भी सूचना पर स्थानीय साइबर थाना या नजदीकी पुलिस स्टेशन से संपर्क करें।

लोकसभा स्पीकर 25 को सिंहभूम चैंबर्स अफ कॉमर्स प्लैटिनम जुबली समारोह में

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

रांची: लोकसभा सभापति (स्पीकर) ओम बिरला 25 मई, रविवार सुबह 9:10 बजे दिल्ली से रांची के बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर उतरेंगे फिर सिंहभूम चैम्बर अफ कॉमर्स प्लैटिनम जुबली समारोह में शिरकत करेंगे । यह उनका पहला झारखंड आगमन हो रहा है ।

तत्पश्चात वे सुबह 9:20 पर वे रांची बिरसा चौक स्थित भगवान बिरसा मुंडा के मूर्ति पर माल्यार्पण करेंगे।

दिन के 12:15 से , दोपहर 2:00 बजे तक , जमशेदपुर के लोयोला स्कूल के फैसी सभागार में सिंहभूम चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्लैटिनम जुबली कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के पश्चात वे वापस दोपहर 3:15 बजे जमशेदपुर के सोनारी हवाई अड्डे से रांची के लिए लौटेंगे

पुनः वे रांची में शाम 5:45 बजे से 7:40 बजे डांगरटोली के स्वर्ण भूमि में विभिन्न समूहों द्वारा आयोजित नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम में शामिल होंगे ।

उच्च न्यायालय ने जेपीएससी के फैसले को किया रद्द,आरक्षण के नियम को गलत बताया

सिविल जज अभ्यार्थी को सफल घोषित करने का निर्देश

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड- झारखंड

रांची। झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में सिविल जज जूनियर डिवीजन के प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) में अनुसूचित जाति वर्ग के एक अभ्यर्थी को असफल घोषित करने के मामले में महत्वपूर्ण फैसला दिया है।

अदालत ने प्रार्थी को असफल घोषित करने के जेपीएससी के आदेश को निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने जेपीएससी को आदेश दिया है कि वह प्रार्थी को पीटी परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित करे।

अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि जेपीएससी ने प्रार्थी को अनारक्षित श्रेणी में लाकर संविधान के आरक्षण के प्रविधानों को दरकिनार किया है। प्रार्थी को उसके मौलिक अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है। किसी के संवैधानिक हक के दावे को आप रोक नहीं सकते हैं। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा है कि समाज के वर्गों में असमानता की रक्षा के लिए जो संविधान के प्रवधान है, उसका उल्लंघन नहीं किया जा सकता। इस संबंध में प्रार्थी दीपक कुमार ने वर्ष 2023 में जारी सिविल जज जूनियर डिवीजन के विज्ञापन अनुसूचित अभ्यर्थी के रूप में आवेदन दिया था।

आवेदन में उन्होंने अपनी श्रेणी का उल्लेख तो जरूर किया था। लेकिन आरक्षण के कालम में नहीं लिखा था। प्रार्थी ने प्रारंभिक परीक्षा में अपने अनुसूचित जाति वर्ग में कट ऑफ मार्क्स से अधिक अंक लाया था। लेकिन जेपीएससी ने आरक्षण कालम में नहीं भरने पर उन्हें सामान्य वर्ग में मानते हुए 31 जुलाई 2024 को ईमेल भेजते हुए उन्हें असफल घोषित कर दिया था।

प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया था कि प्रार्थी अपने एससी वर्ग में कट ऑफ से अधिक अंक प्राप्त किया है। इसलिए उन्हें सफल घोषित किया जाए। इसके बाद कोर्ट ने जेपीएससी द्वारा प्रार्थी को असफल घोषित करने के आदेश को निरस्त कर दिया।

यूरेनियम कर्पोरेशन को मिला नया अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड- झारखंड

जादुगोडा, देश में युद्ध जैसी हालात व बड़ी उथल पुथल के बीच एक अच्छी खबर आई है .भारत का प्रथम परमाणु खदान यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल)जादुगोडा को लगभग एक वर्ष बाद स्थायी अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) मिल गया है. वैज्ञानिक आनंद राव को यूसीआईएल का नया सीएमडी नियुक्त किया गया है. उनका चयन 19 मई 2025 को हुआ. वे इससे पहले परमाणु ऊर्जा विभाग के एटॉमिक रिसर्च सेंटर में वैज्ञानिक पद पर कार्यरत थे.

इस पद के लिए कुल आठ उम्मीदवारों खड़े थे जिसमें

घनश्याम दास गुप्ता (हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड)
जगदीश चंद्र मजूमदार (एनएलसी इंडिया लिमिटेड)
नागेश गोपी किशन (हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड)
उमेश सिंह (हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड)
राजेश कुमार (ब्रिज एंड रूफ कंपनी लिमिटेड)
मनीष कुमार झा (नेशनल मेट्रोलॉजिकल लैबोरेट्री)
तथा अ. मारुथी (न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्प्लेक्स).

इनमें आनंद राव को उनकी तकनीकी विशेषज्ञता और कार्य अनुभव के आधार पर चयनित किया गया।

युसीआईएल जादुगोडा भारत की पहली युरेनियम खदान है ,जो 1967 में आरंभ हुई थी । यह खदान झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में स्थित है, जो भारत में यूरेनियम का एक महत्वपूर्ण भंडार है. यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) भारत सरकार का एक सार्वजनिक उपक्रम है जो यूरेनियम खनन और प्रसंस्करण के लिए जिम्मेदारी से करता आया है.

अब तक संतोष सतपति यूसीआईएल के प्रभारी सीएमडी के रूप में कार्यरत थे. उनके कार्यकाल में कई निर्णय रुके हुए थे. विशेषकर जादूगोड़ा यूसीआईएल कॉलोनी में सौंदर्यीकरण से जुड़े कार्य ठप पड़े थे. स्थायी सीएमडी की अनुपस्थिति के कारण कंपनी की गति भी प्रभावित हो रही थी।

झारखंड का नक्सली अखिलेश यादव यूपी में इलाज के दौरान गिरफ्तार

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

रांची। झारखंड में सुरक्षाबलों की गोली में घायल कुख्यात नक्सली अखिलेश यादव उर्फ गौतम यादव पकड़ा गया है। वाराणसी पुलिस ने बुधवार को एक प्रायवेट अस्पताल में इलाज के दौरान उत्तर प्रदेश के वनारस से पकड़ लिया है। वह नाम और पता बदलकर साईं मेडिसिटी सेंटर के आई सी यू में भर्ती था। 5 दिन से इलाज करवा रहा था। 17 मई को पलामू के मनातू में मुठभेड़ के दौरान उसे गोलियां लगी थी।

वह गंभीर रूप से घायल होने के बाद निजी गाड़ी में छिपकर भतीजे के साथ बनारस आया था। गोलियां भी अस्पताल में निकाली गई है।

सर्विलांस टीम ने उसके भतीजे की लोकेशन पर बनारस में छापा मारकर उसे पकड़ लिया। अभी उसका इलाज जारी है जिसके बाद उसे लेकर झारखंड लेकर जाएगी। उनके खिलाफ झारखंड में 20 से अधिक मुकदमे विभिन्न थानों में दर्ज हैं।

पिपिली में एक और शर्मसार: मानसिक रूप से विक्षिप्त युवती से दुष्कर्म का आरोप

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेस्वर : मानसिक रूप से बीमार लड़की पर बलात्कार का आरोप। पिपिली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है कि आरोपियों ने बलात्कार के बाद उसकी गला घोंटकर हत्या करने की कोशिश की। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी स्वर्यकांत स्वैन को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया है ।शिकायत के अनुसार पिपली थाने के सतशंखा पंडी क्षेत्र के एक गांव की मानसिक रूप से विक्षिप्त युवती को 25 तारीख को उसी गांव के एक युवक ने घर में अकेला पाकर उसका गला घोंटकर हत्या करने का प्रयास किया ।युवती की चीख-पुकार सुनकर परिवार के लोग वहां पहुंचे तो माजरा देखा। युवती का भाई जोर से चिल्लाया। स्थानीय लोग परिवार के सदस्यों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और लड़की को बचाने तथा आरोपी को गिरफ्तार करने का प्रयास किया। आरोपी उन्हें धक्का देकर वहां से भाग गए। आरोप है कि पीड़िता के पिता उस दिन इस संबंध में शिकायत दर्ज कराने पिपिली थाने जा रहे थे, तभी चाकू लिए आरोपियों ने उन्हें तरह-तरह की धमकियां दीं।

इसकी सूचना मिलने पर पिपिली थाना प्रभारी सौमेंदु शेखर त्रिपाठी, सतशंखा थाना प्रभारी विनोद परीदा और जांच अधिकारी एसआई भास्कर मनिया सोमवार की सुबह घटना की जांच करने गांव पहुंचे और विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। पीड़िता के पिता की लिखित शिकायत के आधार पर पिपिली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। बताया जा रहा है कि आरोपी सूर्य नारायण स्वैन को पुलिस ने गिरफ्तार कर सोमवार दोपहर अदालत में पेश किया।

झारखंड में जमशेदपुर , चाईबासा तथा सरायकेला के जिलाधिकारी बदले गये

कार्तिक कुमार परिच्छा स्टेट, हेड झारखंड

रांची , झारखंड सरकार ने कोल्हान प्रमंडल यानी एकीकृत सिंहभूम के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम तथा सरायकेला-खरसावां जिलों के उपायुक्तों का तबादला कर दिया है।

कर्ण सत्यार्थी को पूर्वी सिंहभूम, चंदन कुमार को पश्चिमी सिंहभूम तथा नितिष कुमार सिंह को सरायकेला-खरसावां का नया उपायुक्त बनाया गया है।

यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। तीनों उपायुक्तों को जिला दंडाधिकारी की भी जिम्मेदारी सौंपी गयी है । अधिकारियों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-14 के तहत जिला दंडाधिकारी की शक्तियों का उपयोग करने का निर्देश दिया गया है। आज सोमवार को झारखंड कार्मिक, प्रशासनिक सुधार और राजभाषा विभाग ने अधिसूचना जारी कर इन तबादलों की घोषणा की।

पूर्वी सिंहभूम के पूर्व उपायुक्त अनन्य मित्तल अब रांची में कार्मिक, प्रशासनिक सुधार और राजभाषा विभाग में प्रभार रक्षित पदाधिकारी के रूप में योगदान देंगे।

पश्चिमी सिंहभूम के नए उपायुक्त चंदन कुमार होंगे, जो 2016 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वे पहले रामगढ़ में उपायुक्त थे।

पश्चिमी सिंहभूम के पूर्व उपायुक्त कुलदीप चौधरी भी रांची में प्रभार रक्षित पदाधिकारी के रूप में योगदान देंगे।

2017 बैच के आईएएस अधिकारी नितिष कुमार सिंह को सरायकेला-खरसावां का नया उपायुक्त नियुक्त किया गया है। वे पहले रांची में वित्त विभाग के निदेशालय के निदेशक थे, साथ ही पेंशन और लेखा निदेशालय का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे।

उनकी नियुक्ति से इस जिले में प्रशासनिक कार्यों में नई ऊर्जा आने की उम्मीद है। सबसे ईमानदार व पदाधिकारी रवि शंकर शुक्ला की जाने से सरायकेला खरसावां जिला एक अच्छे अधिकारी को खो दिया है ।

फेसबुक या फूहड़बुक ?: डिजिटल अश्लीलता का बढ़ता आतंक और समाज की गिरती संवेदनशीलता

फेसबुक दावा करता है कि उसके पास सामुदायिक मानक हैं — जो नफ़रत फैलाने, अश्लीलता परोसने और हिंसा भड़काने वाले सामग्री को रोकते हैं। लेकिन हकीकत इसके ठीक उलट है।
अगर कोई उपयोगकर्ता कोई राजनीतिक सच्चाई या तीखी भाषा लिख दे, तो उसकी पहचान कुछ मिनट में अवरुद्ध हो जाती है। लेकिन वही मंच घंटों तक अश्लील वीडियो वायरल होते देखने देता है, बिना किसी हस्तक्षेप के। क्या यह मान लिया जाए कि फेसबुक की नीति यह है —
"अगर आप सत्य बोलेंगे तो आप खतरनाक हैं, और अगर आप अश्लीलता फैलाएंगे तो आप व्यस्त और उपयोगी उपयोगकर्ता हैं!"

प्रियंका सौरभ

जब सोशल मीडिया हमारे जीवन में आया, तो उम्मीद थी कि यह विचारों को जोड़ने, संवाद को मज़बूत करने और जन-जागरूकता फैलाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। लेकिन आज, 2025 में, विशेषकर फेसबुक जैसे मंच पर जिस तरह से अश्लीलता और फूहड़ता का आतंक फैलता जा रहा है, वह न केवल चिंताजनक है, बल्कि सभ्यता की चादर में लिपटे हमारे समाज की मानसिक पतनशीलता को भी उजागर करता है।

अश्लील वीडियो की वायरल संस्कृति: मनोरंजन या मानसिक विकृति?

आज फेसबुक पर एक महिला या किसी व्यक्ति की निजता से खिलवाड़ करती हुई अश्लील वीडियो अगर गलती से अपलोड हो जाती है, तो उसके रिपोर्ट और हटने से पहले ही लाखों लोग उसे डाउनलोड, साझा और एक-दूसरे से माँग लेते हैं। यह सिलसिला इतना भयावह और संगठित रूप में होता है कि लगता है जैसे सभ्य समाज नहीं, किसी डिजिटल भेड़िया झुंड में रह रहे हों।

सबसे अधिक विचलित करने वाली बात यह है कि यह सब पढ़े-लिखे, संस्कारी दिखने वाले, प्रोफ़ाइल पर तिरंगा, ॐ या गीता का श्लोक डालने वाले लोग ही सबसे ज़्यादा करते हैं।

तो फिर सवाल उठता है — क्या यही हमारी वास्तविक मानसिकता है?

क्या हम दोहरे चरित्र वाले समाज के प्रतिनिधि हैं जो मंच पर नैतिकता की बात करता है और अकेले में अश्लीलता का उपभोग करता है?

समाज की चुप्पी: एक और अपराध

इन वीडियो को रिपोर्ट करना, विरोध करना और हटवाना तो दूर की बात, लोग इन्हें चुपचाप देखते हैं, सहेजते हैं, और निजी संदेशों में साझा करते हैं। जो कृत्य समाज में निंदा के योग्य होना चाहिए, वह मनोरंजन और मोबाइल संदेशों का हिस्सा बन जाता है। ऐसे में समाज केवल अपराधी का साथ नहीं देता, बल्कि वह खुद अपराध का भागीदार बन जाता है।

पीड़िता नहीं, समाज शर्मसार हो

हर बार जब कोई महिला किसी वीडियो में जबरन या धोखे से दिखा दी जाती है, तो समाज उसे कोसने लगता है — जबकि असली दोषी वह नहीं, वह व्यक्ति होता है जिसने उसका वीडियो बनाया, और वे लोग होते हैं जो उसे साझा करते हैं।

वास्तव में शर्म तो उस समाज को आनी चाहिए जो दूसरों की पीड़ा को 'क्लिकबेट' और मज़ा' समझता है।

फेसबुक की असफलता: सामुदायिक मानक या बिके हुए नियम?

फेसबुक दावा करता है कि उसके पास सामुदायिक मानक हैं — जो नफ़रत फैलाने, अश्लीलता परोसने और हिंसा भड़काने वाले सामग्री को रोकते हैं। लेकिन हकीकत इसके ठीक

- प्रियंका सौरभ, रिसर्च स्कॉलर इन पॉलिटिकल साइंस, हरियाणा

उलट है।

अगर कोई उपयोगकर्ता कोई राजनीतिक सच्चाई या तीखी भाषा लिख दे, तो उसकी पहचान कुछ मिनट में अवरुद्ध हो जाती है। लेकिन वही मंच घंटों तक अश्लील वीडियो वायरल होते देखने देता है, बिना किसी हस्तक्षेप के।

क्या यह मान लिया जाए कि फेसबुक की नीति यह है —

₹अगर आप सत्य बोलेंगे तो आप खतरनाक हैं,
और अगर आप अश्लीलता फैलाएंगे तो आप व्यस्त और उपयोगी उपयोगकर्ता हैं!"

तकनीक के साथ जिम्मेदारी कहाँ?

हमें यह समझना होगा कि सोशल मीडिया केवल एक तकनीकी मंच नहीं है, यह अब जनमानस को प्रभावित करने वाला एक सामाजिक ढाँचा बन चुका है। और हर ढाँचे की कुछ जिम्मेदारियाँ होती हैं।

अगर फेसबुक और अन्य मंचों पर सामग्री निगरानी के नाम पर केवल कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सहारा लिया जाएगा, और ₹रिपोर्ट करें₹ का विकल्प केवल दिखावा बन कर रह जाएगा, तो यह मंच एक दिन नैतिक रूप से दिवालिया हो जाएगा।

हम, समाज और हमारी भागीदारी

अब प्रश्न यह है कि क्या हम केवल फेसबुक को दोष देकर अपने दामन को पाक-साफ़ मान सकते हैं?

बिलकुल नहीं।

जब हम स्वयं ऐसे सामग्री को देख रहे हैं, साझा कर रहे हैं या मौन हैं, तो हम भी अपराध में साझेदार बन जाते हैं।

हमारे बच्चों, बहनों, पत्नियों और समाज की महिलाओं की सुरक्षा केवल कानून से नहीं होगी — बल्कि हमारी मानसिकता से होगी।

और अगर हम वही मानसिकता पालें जो अपराधियों की होती है — दूसरों की निजता को ताकना, उन्हें वस्तु समझना, उन्हें मानवता से नीचे गिराना — तो फिर हम भी किसी से कम दोषी नहीं हैं।

समाधान की दिशा में कुछ सुझाव:

1. डिजिटल नैतिक शिक्षा: विद्यालयों, महाविद्यालयों और नौकरी के प्रशिक्षण केंद्रों में डिजिटल आचार संहिता पर विशेष कक्षाएँ होनी चाहिए।
2. कड़ा कानून और डिजिटल सतर्कता: अश्लील वीडियो को साझा करने वालों पर सख्त साइबर कानून लागू हों और समय पर कार्रवाई हो।
3. सोशल मीडिया मंचों की जवाबदेही: फेसबुक जैसी कंपनियों को भारत सरकार के अधीन विशेष निगरानी प्रकोष्ठ में जवाबदेह बनाया जाए।
4. जन-जागरूकता अभियान: स्वयंसेवी संस्थाओं, लेखकों, पत्रकारों और जागरूक नागरिकों को मिलकर डिजिटल शुचिता पर अभियान चलाने चाहिए।

सोच बदलनी होगी

सभ्यता केवल तन से नहीं होती, मन से होती है।
शब्दों से नहीं, कर्मों से होती है।
अगर हम अपने ही समाज की बहनों की पीड़ा में लज्जा नहीं, मज़ा ढूंढने लगें — तो यह गिरावट नहीं, मानवता की हत्या है।
इसलिए यह समय है जब हमें फेसबुक को भी आईना दिखाना होगा और खुद को भी।
नहीं तो फेसबुक जल्द ही फूहड़बुक में बदल जाएगा, और हम सब उसमें एक-एक कर डूब जाएंगे — बिना किसी पश्चाताप के।

बनों पक्षियों के मित्र...!

बढ़ रहा तापमान और घट रहा हरित क्षेत्र,
गर्मियों के मौसम में बनों पक्षियों के मित्र।
चिल-चिलाती धूप और तप रहीं हैं जमीन,
सूखी हवाएँ 'दिनचर्या' को करती गमगीन।
इससे परिन्दों का जीवन प्रभावित हो रहा,
बेजुबाँ भी संघर्ष करने को मजबूर हो रहा।

बढ़ रहा तापमान और घट रहा हरित क्षेत्र,
गर्मियों के मौसम में बनों पक्षियों के मित्र।
शहरीकरण की मार एवं प्रकृति से हुई दूरी,
नतीजा पशु-पक्षियों की प्यास रहीं अधूरी।
आज छांव और पानी भी तो दुर्लभ हो गए,
ये डिजिटल होकर भी क्यों निर्दयी हो गए।

बढ़ रहा तापमान और घट रहा हरित क्षेत्र,
गर्मियों के मौसम में बनों पक्षियों के मित्र।
गोरैया, बुलबुल, मैना व कबूतर भटक रहें,
पक्षी पानी की तलाश में हलाकान हो रहें।
मानवीय संवेदनाओं को कोई भी न परखें,
आओ छतों या आंगनों में दाना-पानी रखें।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्यप्रदेश)

"रिश्तों की रणभूमि"

लहू बहाया मैदानों में,
जीत के ताज सिर पर सजाए,
हर युद्ध से निकला विजेता,
पर अपनों में खुद को हारता पाए।

कंधों पर था भार दुनिया का,
पर घर की बातों ने झुका दिया,
जिसे बाहरी शोर न तोड़ सका,
उसी को अपनों के मौन ने रुला दिया।

सम्मान मिला दरबारों में,
पर अपमान मिला दालानों में,
जहां प्यार होना चाहिए था,
मिला सवालों की दीवारों में।

माँ की नज़रों में मौन था,
पिता के लबों पर सिकुड़न,
भाई की बातों में व्यंग्य था,
बहन की चुप्पी बनी चोट की धुन।

जो रिश्ते थे आत्मा के निकट,
वही बन गए आज दुश्मन से कठिन,
हर जीत अब बोझ लगती है,
जब घर की हार आंखों में छिन।

दुनिया जीतना आसान था,
पर अपनों को समझना मुश्किल,
जहां तर्क थम जाते हैं,
वहीं भावना बनती है असली शस्त्रधार।

कभी वक़्त निकाल कर बैठो,
उनके पास जो चुपचाप रोते हैं,
क्योंकि दुनिया नहीं,
परिवार ही असली रणभूमि होता है।

--- **डॉ सत्यवान सौरभ**

रेल मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए: कोंग्रेस बिधायक दल नेता रामचन्द्र काडाम

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर : खोरधा-बलांगीर रेलवे सुरंग ढहने की घटना पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व रेल मंत्री व पीसीसी अध्यक्ष भक्त चरण दास ने कहा कि सुरंग ढहने के कारण 30 मीटर गहरी हो गयी है, और वहां 30 से 40 लोग काम कर रहे थे या नहीं, इसमें कितनी सच्चाई है, यह रेलवे विभाग को स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को आड़े हाथों लेते हुए पूछा कि क्या केंद्रीय रेल मंत्री ने उस समय इस सुरंग का श्रेय लिया था, तो अब उनसे जवाब मांगा जाना चाहिए।श्री दास ने सवाल उठाया कि निगरानी और पर्यवेक्षण की कमी के कारण मंत्री ने कार्रवाई क्यों नहीं की। उस समय रेल मंत्री ने कहा था कि सुरंग का काम बिना किसी परेशानी के पूरा हो जाएगा। उन्होंने मांग की कि मंत्री जवाब दें कि मानक संचालन प्रक्रिया का पालन क्यों नहीं किया गया और काम निम्न स्तर का क्यों था। मंत्री को यह भी जवाब देना होगा कि मिट्टी की जांच की गई थी या नहीं, अगर यह ठोस थी, तो यह क्यों ढह गई और मंत्री ने कितनी बार सुरंग का निरीक्षण किया। अश्विनी वैष्णव के रेल मंत्री बनने

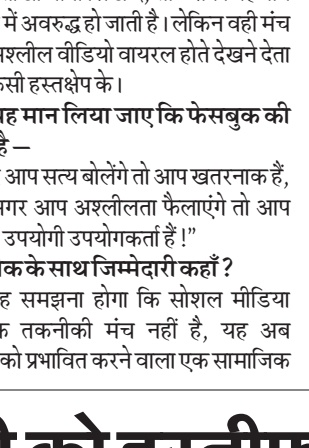

के बाद सुरंग ढहने और लगातार हो रही रेल दुर्घटनाओं के कारण इतने लोग क्यों मर रहे हैं और घायल हो रहे हैं? प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्रीयुक्ता दास ने कहा कि मंत्री को नैतिक आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए और कांग्रेस भी उनके इस्तीफे की मांग कर रही है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस की तथ्यान्वेषी टीम कल घटनास्थल का दौरा करेगी और निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। रेलवे विभाग की सफाई पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अगर मिट्टी कमजोर है तो रेलवे विभाग को पहले से पता रहा होगा कि कितनी बारिश और कितना पानी सुरंग को ध्वस्त कर देगा। इसीलिए अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। पीसीसी अध्यक्ष श्री दास ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि मानसून आने से पहले ही स्थिति ऐसी है तो मानसून आने पर क्या होगा?

कोंग्रेस बिधायक दल नेता रामचन्द्र काड़ाम ने काहा रेल टनेल की ठीक से काम नेही हुआ और इसी मे दुर्नीती साफ साफ दिखाई दे रहा है । इसीलिए रेल मंत्री अश्विनी बैष्णब इस्तफा देना चाहिए ।

अमावस्या पर भक्तों ने की गौ सेवा

परिवहन विशेष न्यूज

हैदराबाद बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला बालाजी नगर में अमावस्या पर भक्तों ने सपरिवार मे गौ सेवा की। गौशाला में सुबह से भक्तों ने सपरिवार उपस्थित होकर गायों को चारा, कुट्टी, घास, फल, गुड़, चना, सब्जियाँ आदि अर्पित किए।श्री आईजी गौशाला प्रांगण में राधा कृष्ण व माताजी मंदिर व गौशाला में बड़ी संख्या में गौ भक्तों ने सेवा प्रदान की। गौशाला प्रांगण में भक्तों की भीड़ गौ सेवा के लिए उपस्थित हुई। भजन गायक अचलाराम हाम्बड़, मोहनलाल भायल, गीरधारीलाल प्रजापत,पिटुभाई, लक्ष्मण सुथार,रमेश सोनी, बबलू, ने भक्ति गीत प्रस्तुत किए । इस अवसर पर अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, उपाध्यक्ष कालुराम काग, सह सचिव ढगलाराम सेपटा, कोषाध्यक्ष नारायणलाल परिहार, भगाराम मुलेवा, पारसमल शर्मा, मोतीलाल काग, सीरवी समाज पारसीगुट्टा अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, गोपाराम मुलेवा, अर्जुनलाल बर्फा, बाबूलाल मुलेवा ओमप्रकाश पंवार, पवन हाम्बड़, किशनलाल पंवार, चेनाराम परिहार, चन्द्र प्रकाश गेहलोत, कानाराम, तुलसाराम सिन्दडॉ,, नेमाराम हाम्बड़,बाबूलाल लचेटा, नारायणलाल आगलेचा ,भंवरलाल बर्फ़ा, मोतीलाल ,जगदीश सीरवी, कैलाश सानपुरा, महिला मंडल मैना पंवार, सुगणा हाम्बड़, मैना हाम्बड़, कुसुम हाम्बड़,सरस्वती शर्मा, मांगीबाई मुलेवा, तुलसी मुलेवा आदि ने भाग लिया।अनाराम बाफना जैन, अभय बाफना जैन, अभिषेक बाफना जैन, अमित बाफना जैन द्वारा महा प्रसादी का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर मारवाड़ी युवा मंच मेडचल द्वारा रक्तदान आयोजन किया गया।गौशाला में भक्तों ने गौ सेवा का लाभ लिया। **(फोटो छाया पत्रकार जगदीश सीरवी)**

मारवाड़ी युवा मंच सिकंदराबाद शाखा द्वारा राष्ट्रीय प्रकल्प जनसेवा के तहत कार्यक्रम रखा गया

जगदीश सीरवी

तेलंगाना सिकंदराबाद: शाखा मंत्री पन्नालाल भाटी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सिकंदराबाद शाखा अध्यक्ष पंकज राठौर की अध्यक्षता में 300 राहगीरों को एकादशी के दिन इटली वितरण का कार्यक्रम ओल्ड बोइनपल्ली X रोड सिकंदराबाद में किया गया । आज के इस सेवाकार्य में पधारे शाखा के पूर्व अध्यक्ष नवरंगलाल सैनी,वरिष्ठ नारायण चावडा, प्रवीण लोढा, प्रेमाराम जाखड़,केलाश वैष्णव, मंगलाराम चोधरी, आदि का सराहनीय योगदान रहा

कार्यक्रम में पधारे हुए सभी अतिथियों का एवं सदस्यों गणों का शाखा के जनसेवा संयोजक हरीश माली ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा गौशाला में गायों को चारा खिलाकर गौ सेवा की गई।

सिकंदराबाद शाखा मंत्री सुमन घोड़ेला द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाखा की अध्यक्ष शीतल जैन की अध्यक्षता में लोअर टैंकबंड स्थित गौशाला में गायों को चारा खिलाकर गौ सेवा की गई।। इसके लाभार्थी शाखा की सदस्या ममता पीरगल रही है।। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मीना जैन, पूनम बोहरा, योगिता अलीजार, शिल्पा धोखा, बबीता शर्मा,रिद्धि बोहरा, संतोष देवी, हितेश शर्मा और डिशिता शर्मा रहे हैं।। सहमंत्री सुनीता डूंगरवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

झारखंड में आदिवासी सरना धर्म कोड लागु करने को लेकर जेएमएम का सभी जिलों में धरना

झामुमो ने धर्म कोड को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

रांची। सरना धर्म कोड की मांग को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने मंगलवार को राज्यभर के जिला मुख्यालयों में धरना-प्रदर्शन किया. रांची पार्टी के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य हमलोगों को खैरात में नहीं मिला.

सरना धर्म कोड भी हम बलिदान के बाद सौगात के रूप में लेंगे. जल जंगल जमीन बचाना है तो सरना को मानना होगा. जनगणना में इसका आंकड़ा भी देना होगा. भाजपा धर्म के नाम पर राजनीति कर रही है. आदिवासी इस देश के सबसे पुराने मालिक हैं. झामुमो की मांग है कि सरना धर्म को जनगणना फॉर्म में अलग कोड दिया जाए, जिससे आदिवासी समुदाय की धार्मिक पहचान को मान्यता मिल सके.

सरना धर्म कोड की मांग आदिवासी समुदाय की धार्मिक पहचान और अस्तित्व को मान्यता देने के लिए है. झारखंड में सरना धर्म की पूजा पद्धति, संस्कृति और मान्यताएं अन्य सभी धर्मों से अलग हैं. झारखंड विधानसभा में सरना धर्म कोड की मांग को लेकर प्रस्ताव पारित हो चुका है, लेकिन केंद्र सरकार ने अभी तक इस पर कोई पहल नहीं की है.

झामुमो ने केंद्र सरकार पर आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों का हनन करने का आरोप लगाया है. झामुमो के नेताओं ने कहा कि जब तक आदिवासी समाज को अलग धार्मिक पहचान नहीं दी जाती, तब तक जातीय जनगणना नहीं होने दी जाएगी. झामुमो ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो राज्यव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा. झामुमो के नेता और कार्यकर्ता सरना धर्म कोड की मांग को लेकर एकजुट हैं और इसके लिए संघर्ष करने को तैयार हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095 . newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी .आर .बी . एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। **RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023**